RNI-UPHIN/2009/30721

# एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

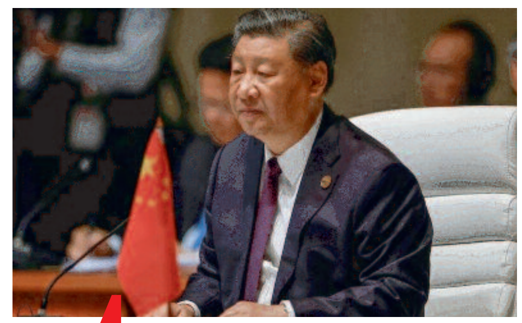

पृष्ठ 4 चीन की हरकतें और उनका सच

बुधवार 21 मई 2025
सुर्योदय प्रात: 05:28 बजे
सूर्यास्त सांय 19: 09 बजे

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्षः 16 | अंक : 215 | गाजियाबाद, बुधवार 21 मई 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

## अंतरिम आदेश के लिए सुनवाई 3 मुद्दों तक सीमित रखने का आग्रह

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

केंद्र ने मंगलवार को उच्चतम न्यायालय से आग्रह किया कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अंतरिम आदेश पारित करने के लिए सुनवाई को तीन चिह्नित मुद्दों तक सीमित रखा जाए।

इन मुद्दों में 'अदालत द्वारा वक्फ, वक्फ बाई यूजर या वक्फ बाई डीड' घोषित संपत्तियों को गैर-अधिसूचित करने का अधिकार भी शामिल है। भारत के प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ से केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने आग्रह किया कि वह पहले की पीठ द्वारा निर्धारित कार्यवाही तक ही सीमित रहें। विधि अधिकारी ने कहा, ''न्यायालय ने तीन मुद्दे चिन्हित किए थे। हमने इन तीन मुद्दों पर अपना जवाब दाखिल किया था। हालांकि, याचिकाकर्ताओं की लिखित दलीलें अब कई अन्य मुद्दों तक चली गई हैं।

मैंने इन तीन मुद्दों के जवाब में अपना हलफनामा दाखिल किया है। मेरा अनुरोध है कि इसे केवल तीन मुद्दों तक ही सीमित रखा जाए।'' वक्फ अधिनियम, 2025 के प्रावधानों को चुनौती देने वाले लोगों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल तथा अभिषेक सिंघवी ने इन दलीलों का विरोध किया कि अलग-अलग हिस्सों में सुनवाई नहीं हो सकती। एक मुद्दा 'अदालत द्वारा वक्फ, वक्फ बाई यूजर या वक्फ बाई डीड' घोषित संपत्तियों को गैर-अधिसूचित करने के अधिकार का है।

याचिकाकर्ताओं द्वारा उठाया गया दूसरा मुद्दा राज्य वक्फ बोर्डों और केंद्रीय वक्फ परिषद की संरचना से संबंधित है, जहां उनका तर्क है कि पदेन सदस्यों को छोड़कर केवल मुसलमानों को ही इसमें काम करना चाहिए।

तीसरा मुद्दा एक प्रावधान से संबंधित है, जिसमें कहा गया है कि जब कलेक्टर यह पता लगाने के लिए जांच करते हैं कि संपत्ति सरकारी भूमि है या नहीं, तो वक्फ संपत्ति को वक्फ नहीं माना जाएगा। सुनवाई जारी है। सिब्बल ने दलीलें पेश करना शुरू किया और मामले की पृष्ठभूमि का उल्लेख किया।

गत 17 अप्रैल को, केंद्र ने शीर्ष अदालत को आश्वासन दिया था कि वह 5 मई तक न तो 'वक्फ बाई यूजर' समेत वक्फ संपत्तियों को गैर-अधिसूचित करेगा, न ही केंद्रीय वक्फ परिषद और बोर्डों में कोई नियुक्ति करेगा।

केंद्र ने केंद्रीय वक्फ परिषदों और बोर्डों में गैर-मुस्लिमों को शामिल करने की अनुमति देने वाले प्रावधान पर रोक लगाने के अलावा 'वक्फ बाई यूजर' सहित वक्फ संपत्तियों को गैर-अधिसूचित करने के खिलाफ अंतरिम आदेश पारित करने के शीर्ष अदालत के प्रश्ताव का विरोध किया था।

गत 25 अप्रैल को, केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने संशोधित वक्फ अधिनियम, 2025 का बचाव करते हुए 1,332 पन्नों का प्रारंभिक हलफनामा दायर किया था और 'संसद द्वारा पारित संवैधानिकता की धारणा वाले कानून' पर अदालत द्वारा किसी भी तरह की 'पूर्ण रोक' का विरोध किया था।

केंद्र ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 को पिछले महीने अधिसूचित किया था, जिसके बाद इसे 5 अप्रैल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिल गई थी।

इस विधेयक को लोकसभा में 288 सदस्यों के मत से पारित किया गया, जबकि 232 सांसद इसके खिलाफ थे। राज्यसभा में इसके पक्ष में 128 और विपक्ष में 95 सदस्यों ने मतदान किया।

## नाना पटोले ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लिखा पत्र, प्रोटोकॉल न मानने वाले अफसरों पर हो कार्रवाई

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नाना पटोले ने मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखा है। पत्र में मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई के दौरे को लेकर प्रोटोकॉल का पालन न करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई करने की मांग की है।

नाना पटोले ने लिखा, "आपको यह पत्र लिखते समय अत्यंत पीड़ा हो रही है। बहुजन समाज के गौरव, सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई का महाराष्ट्र सरकार एवं राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा अपमान किया गया है। एक महाराष्ट्र पुत्र के रूप में उनका मुंबई में सत्कार करने का कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

इस कार्यक्रम में प्रोटोकॉल के अनुसार राज्य महाराष्ट्र के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक और मुंबई पुलिस आयुक्त की उपस्थिति अपेक्षित थी, परंतु दुर्भाग्यवश ऐसा नहीं हुआ।

अंततः मुख्य न्यायाधीश ने अपने भाषण में यह टिप्पणी की कि मेरे इस कार्यक्रम में इन अधिकारियों को आने की योग्यता नहीं लगती, तो यह विचार उन्हें स्वयं करना चाहिए। यह वक्तव्य अत्यंत दुखदायक है और यह स्पष्ट संकेत देता है कि महाराष्ट्र सरकार अपने ही सुपुत्र का सम्मान करने में विफल रही है।"उन्होंने आगे लिखा, "न्यायमूर्ति भूषण गवई डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के विचारों के अनुयायी हैं, इस कारण उनके साथ यह व्यवहार जानबूझकर किया गया ऐसा संदेह संपूर्ण महाराष्ट्र में व्यक्त किया जा रहा है।

## न्यायिक सेवा के लिए 3 साल वकालत जरूरी : सुप्रीम कोर्ट

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

न्यायिक सेवा को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बिना तीन साल वकील के तौर पर प्रैक्टिस किए कोई भी न्यायिक सेवा में नहीं जा सकता है।

सीजेआई बीआर गवई, जस्टिस एची मसीह और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने यह फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, सिविल जज की परीक्षा में शामिल होने के लिए कम से कम वकील के तौर पर तीन साल की प्रैक्टिस जरूरी है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकारों को सुनिश्चित करना है कि वही लोग सिविल जज की परीक्षा में शामिल हों जिन लोगों ने कम से कम तीन साल वकालत की प्रैक्टिस की हो। इसका प्रमाणीकरण कम से कम 10 साल बार में रहने वाला वकील करेगा।

लॉ क्लर्क और जज के तौर पर अनुभव को भी इसमें शामिल किया जाएगा। इसके अलावा कोर्ट में जिम्मेदारी देने से पहले एक साल की ट्रेनिंग भी जरूरी होगी।

कोर्ट ने स्पष्ट किया किया है कि मौजूदा सय में चल रही नियुक्तियों में यह नियम लागू नहीं होगा। हालांकि आगे से इसे अनिवार्य किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हाई कोर्ट जो नियुक्तियां कर रहे हैं उनमें यह नियम नहीं लागू होगा।

हालांकि आगे से होने वाली सभी नियुक्तियों में इस नियम को अनिवार्य किया जाएगा। कोर्ट ने कहा कि कानून के ग्रैजुएट के छात्रों की जजों के तौर पर नियुक्ति के बाद काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। अनुभवहीन लॉ ग्रैजुएट जरूरी कार्य निष्पादित करने में सक्षम नहीं होते। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जजों को लाइफ, लिबर्टी और प्रॉपर्टी के मामलों को गंभीरता से देखना होता है। केवल किताबी ज्ञान के आधार पर फैसले नहीं किए जा सकते।

## स्वस्थ विश्व के निर्माण के लिए कमजोर लोगों के स्वास्थ्य पर ध्यान देने की जरूरत : मोदी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को जिनेवा में विश्व स्वास्थ्य सभा के 78वें सत्र को वीडियो कांफ्रेन्स से संबोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ विश्व का निर्माण इस बात पर निर्भर करता है कि हम सबसे कमजोर लोगों के स्वास्थ्य की देखभाल कितनी अच्छी तरह से करते हैं।

श्री मोदी ने इस वर्ष के थीम 'स्वास्थ्य के लिए एक विश्व' का उल्लेख करते हुए इस बात पर जोर दिया कि यह वैश्विक स्वास्थ्य के लिए भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है। उन्होंने वर्ष 2023 में विश्व स्वास्थ्य सभा में अपने संबोधन को याद करते हुए 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ दुनिया का भविष्य समावेश, एकीकृत दृष्टिकोण और सहयोग पर निर्भर करता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि समावेश भारत के स्वास्थ्य सुधारों के मूल में है।

उन्होंने दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना आयुष्मान भारत का जिक्र करते हुए कहा कि यह 58 करोड लोगों को मुफ्त उपचार की सुविधा प्रदान करती है। इस कार्यक्रम का हाल ही में 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी भारतीयों को कवर करने के लिए विश्तार किया गया था।

प्रधानमंत्री ने भारत के हजारों स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों के व्यापक नेटवर्क का उल्लेख किया जो कैंसर, मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों की शुरुआती जांच और पता लगाने की सुविधा प्रदान करते हैं। उन्होंने हजारों सार्वजनिक फ़ार्मेसियों की भूमिका को भी रेखांकित किया जो काफी कम कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाली दवाएँ प्रदान करती हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए श्री मोदी ने गर्भवती महिलाओं और बच्चों के टीकाकरण पर नज़र रखने वाले डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म और अद्वितीय डिजिटल स्वास्थ्य पहचान प्रणाली जैसी भारत की डिजिटल पहलों को रेखांकित किया, जो लाभ, बीमा, रिकॉर्ड और सूचना को एकीकृत करने में मदद कर रही है।

श्री मोदी ने कहा , " दुनिया का स्वास्थ्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम सबसे कमज़ोर लोगों की कितनी अच्छी तरह देखभाल करते हैं"। उन्होंने कहा कि विकासशील देश विशेष रूप से स्वास्थ्य चुनौतियों से प्रभावित है और इस दिशा में भारत का दृष्टिकोण अनुकरणीय, मापनीय और टिकाऊ मॉडल प्रदान करता है। उन्होंने दुनिया के साथ, विशेष रूप से ग्लोबल साऊथ के साथ अपने सीखने और सर्वोत्तम परंपराओं को साझा करने की भारत की इच्छा व्यक्त की।

आगामी जून में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मद्देनजर प्रधानमंत्री ने वैश्विक भागीदारी को प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस वर्ष की थीम, 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' पर प्रकाश डाला और योग के जन्मस्थान के रूप में भारत की भूमिका पर जोर देते हुए सभी देशों को निमंत्रण दिया।

प्रधानमंत्री ने आईएनबी संधि की सफल वार्ता के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और सभी सदस्य देशों को बधाई दी। उन्होंने इसे अधिक वैश्विक सहयोग के माध्यम से भविष्य की महामारियों से लड़ने की साझा प्रतिबद्धता के रूप में वर्णित किया।

## मॉनसून के चार से पांच दिनों में केरल पहुंचने की संभावना : आईएमडी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के अगले चार से पांच दिनों में केरल पहुंचने की संभावना है, जो मॉनसून के आने की एक जून की सामान्य तिथि से पहले है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने पहले पूर्वानुमान जताया था कि मॉनसून 27 मई तक केरल में दश्तक देगा।

आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, अगर मॉनसून उम्मीद के मुताबिक केरल पहुंचता है तो यह 2009 के बाद से भारतीय मुख्य भूमि पर सबसे जल्दी दश्तक देने वाला मॉनसून होगा। 2009 में मॉनसून 23 मई को आया था।

आईएमडी ने मंगलवार दोपहर को अद्यतन जानकारी देते हुए कहा, ''अगले चार से पांच दिनों में केरल में मॉनसून के दश्तक देने के लिए परिस्थितियां अनुकूल होने की संभावना है।'' आम तौर पर दक्षिण-पश्चिम मॉनसून एक जून तक केरल पहुंचता है और आठ जुलाई तक पूरे देश में छा जाता है। यह 17 सितंबर के आसपास उत्तर-पश्चिम भारत से लौटना शुरू हो जाता है और 15 अक्टूबर तक पूरी तरह से वापस चला जाता है।

पिछले साल मॉनसून केरल में 30 मई को पहुंचा था, 2023 में यह आठ जून को, 2022 में 29 मई को, 2021 में तीन जून को, 2020 में एक जून को, 2019 में आठ जून को और 2018 में 29 मई को केरल पहुंचा था।

आईएमडी ने अप्रैल में 2025 के मॉनसून के मौसम में सामान्य से अधिक वर्षा का अनुमान जताया था। इसमें 'अल नीनो' की स्थिति की संभावना को खारिज कर दिया गया था, जो भारतीय उपमहाद्वीप में सामान्य से कम वर्षा से जुड़ी है। आईएमडी के अनुसार, 50 साल के औसत 96 प्रतिशत और 104 प्रतिशत के बीच 87 सेंटीमीटर की वर्षा को 'सामान्य' माना जाता है।

## मदरसों के प्रति सरकार अपना रवैया बदले तो बेहतर : कु. मायावती

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने मंगलवार को मदरसों के खिलाफ योगी सरकार के एक्शन को लेकर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि मदरसों आदि की प्राइवेट व्यवस्था के विरुद्ध सरकार का रवैया सहयोग का होने के बजाय उन्हें अवैध बताकर बंद करने का होना बुनियादी शिक्षा की जरूरत को और कमजोर करने वाला गैरजरूरी और अनुचित है। उन्होंने योगी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि निजी मदरसों के प्रति सरकार अपना रवैया बदले तो बेहतर।

इसके साथ ही मायावती ने चिंता जताते हुए कहा कि प्रदेश के स्कूलों में 22 लाख बच्चों के एडमिशन में इस साल गिरावट आई है। उन्होंने प्रदेश सरकार को नसीहत देते हुए कहा कि शिक्षा के महत्व और जरूरत पर उचित ध्यान देना जरूरी है।

मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक के बाद एक तीन पोस्ट किए। बसपा प्रमुख मायावती ने पहले पोस्ट में लिखा, "यूपी के प्राइमरी व अपर प्राइमरी स्कूलों में सन 2023-24 में 1.74 करोड़ दाखिले हुए, किंतु 2024-25 में मात्र 1.52 करोड़ अर्थात स्कूल दाखिला में लगभग 22 लाख की गिरावट सरकारी स्कूल व्यवस्था की ऐसी बदहाल स्थिति गंभीर व चिंतनीय। शिक्षा के महत्व व जरूरत पर सरकार का उचित ध्यान जरूरी।"

दूसरे पोस्ट में मायावती ने लिखा,

"फिर भी सश्ती व सुलभ व्यवस्था के तहत मदरसों आदि की प्राइवेट व्यवस्था के विरुद्ध सरकार का रवैया सहयोग का होने के बजाय उन्हें अवैध बताकर बंद करने का होना बुनियादी शिक्षा की जरूरत को और कमजोर करने वाला गैर-जरूरी व अनुचित। निजी मदरसों के प्रति सरकार अपना रवैया बदले तो बेहतर।"

उन्होंने आखिर पोस्ट में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "वैसे तो सरकारी स्कूलों के हालात देश के अधिकतर राज्यों में काफी खराब हैं, किंतु यूपी व बिहार में यह अति-दयनीय होने से बहुजन गरीब परिवारों का बहुप्रतीक्षित विकास बाधित व इनके बच्चों का भविष्य अंधकारमय। ऐसे में स्कूल शिक्षा पर ध्यान देकर इन्हें बंद करने के बजाय प्रोत्साहन जरूरी।"

मायावती समय-समय पर दलितों और अल्पसंख्यकों के समसामयिक मुद्दों को उठाती रहती हैं। अभी हाल में उन्होंने अपने भतीजे आकाश आनंद को बसपा का मुख्य नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाकर एक बड़ा संदेश दिया। आकाश आनंद को दोबारा पार्टी में लाकर बसपा प्रमुख ने बहुजन युवा वोट को साधने का प्रयास किया है।

## सरकार कितनी भी कोशिश कर ले, अदाणी से जुड़े 'घोटाले' को छिपाया नहीं जा सकता : कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस ने मंगलवार को कुछ खबरों का हवाला देते हुए दावा किया कि भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अदाणी समूह में हिस्सेदारी रखने वाले दो फंड को शेयरहोल्डिंग संबंधी जानकारी न देने के लिए दंड और लाइसेंस रद्द करने की चेतावनी दी है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि सरकार चाहे जितनी कोशिश कर ले, भारत के सबसे बड़े घोटाले को छुपाया नहीं जा सकता, सच्चाई सामने आ ही रही है।

सेबी या अदाणी समूह की ओर से फिलहाल इस दावे पर कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। हालांकि अतीत में इस कारोबारी समूह ने अनियमितता और भ्रष्टाचार के सभी आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज किया है।

रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'डबल इंजन वाली मोदानी गाथा जारी है। बताया जा रहा है कि सेबी ने 'एलारा कैपिटल' द्वारा नियंत्रित मॉरीशस स्थित दो ऑफशोर फंड – एलारा इंडिया ऑपर्च्युनिटीज फंड और वेस्पेरा फंड को शेयरहोल्डिंग संबंधी जानकारी न देने के लिए दंड और लाइसेंस रद्द करने की चेतावनी दी है। 'उन्होंने दावा किया कि इन फंड पर 'स्टॉक पार्किंग' का आरोप है यानी इन्हें अदाणी समूह द्वारा अपनी ही कंपनियों में बेनामी निवेश के लिए मुखौटे के रूप में इश्तेमाल किया गया, जो सेबी के नियमों का उल्लंघन है। रमेश का कहना है, 'बताया जा रहा है कि इन दोनों फंड्स ने अपराध स्वीकार किए बिना और टोकन शुल्क का भुगतान किए बिना मामले को निपटाने की पेशकश की है, जो 'मोदानी' के लिए सबसे सुविधाजनक तरीका है।'

## राष्ट्रपति व PM ने डॉ. जयंत नार्लीकर के निधन जतया शोक

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को खगोल भौतिकी के क्षेत्र के दिग्गज डॉ. जयंत नार्लीकर के निधन पर शोक व्यक्त किया। राष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि खगोल वैज्ञानिक डॉ. जयंत नार्लीकर के निधन की खबर बेहद दुखद है। अंतरराष्ट्रीय श्तर पर प्रशंसित वैज्ञानिक डॉ. नार्लीकर ने अपने काम के माध्यम से एक अमिट छाप छोड़ी है जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी। विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के उनके जुनून ने बड़ी संख्या में लोगों, खासकर युवाओं को शिक्षित करने में मदद की। मैं उनके परिवार के सदस्यों, दोश्तों और प्रशंसकों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि डॉ. जयंत नार्लीकर का निधन वैज्ञानिक समुदाय के लिए एक बड़ी क्षति है।

## कोविड पर सतर्क है सरकार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सिंगापुर और हांगकांग में कोविड संक्रमण के मामले बढ़ने के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय देश में अत्यधिक सतर्कता बरत रहा है और स्थिति पर निरंतर नजर रखी जा रही है। मंत्रालय में कोविड संक्रमण के मामलों से जुड़े उच्च पदस्थ सूत्रों ने मंगलवार को यहां बताया कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और सरकार सतर्कता बरत रही है। उन्होंने कहा कि फिलहाल देश में चिंता की कोई बात नहीं है। सूत्रों के अनुसार हांगकांग और सिंगापुर के घटनाक्रमों के मद्देनजर, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक की अध्यक्षता में राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, आपातकालीन चिकित्सा राहत प्रभाग, आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद और केंद्र सरकार के अस्पतालों के विशेषज्ञों की समीक्षा बैठक बुलाई गई।

## आईबी प्रमुख तपन कुमार डेका का कार्यकाल एक साल बढ़ा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। केन्द्र सरकार ने इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के निदेशक तपन कुमार डेका का कार्यकाल एक साल और आगे बढ़ा दिया है। उनका कार्यकाल अगले महीने समाप्त होने जा रहा था। मंत्रिमंडल की नियुक्ति मामलों की समिति ने उनके कार्यकाल विश्तार को मंजूरी प्रदान की। इस संबंध में आदेश जारी किया गया है। हिमाचल प्रदेश कैडर के 1988 बैच के भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी तपन डेका को कश्मीर में आतंक विरोधी ऑपरेशन का विशेष अनुभव है। वे 2022 से निदेशक पद पर कार्यरत हैं। डेका खुफिया विभाग में कई तरह की भूमिकाएं निभा चुके हैं। आईबी देश की आंतरिक सुरक्षा और काउंटर-इंटेलिजेंस एजेंसी है। इंटेलिजेंस ब्यूरो का काम देश में आंतरिक खतरों पर नजर रखना और सरकार को परामर्श देना है। आईबी भारत की आंतरिक सुरक्षा और स्थिरता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

## प्रधानमंत्री राजस्थान में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास करेंगे

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बृहस्पतिवार को राजस्थान के बीकानेर दौरे पर रेलवे, सड़क, बिजली, जल और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री देश में रेल अवसंरचना को निरंतर बेहतर बनाने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 86 जिलों में 1,100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 103 पुनर्विकसित अमृत स्टेशन का उद्घाटन करेंगे। बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित देशनोक रेलवे स्टेशन का भी उद्घाटन करेंगे और बीकानेर-मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे।

## युवती दो लाख रुपये और जेवरात लेकर फरार

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

मुरादनगर की एक कॉलोनी निवासी ने बताया कि उनकी 25 वर्षीय पुत्री गत 16 मई को घर में रखे दो लाख रुपये की नकदी और लाखों रुपये के जेवरात लेकर चली गई। देर रात तक वह वापस नहीं आई तो उसकी तलाश शुरू की गई। काफी तलाश करने के बाद भी जब युवती नहीं मिली तो परिजनों ने गांव धेदा निवासी सौरभ के खिलाफ अपहरण करने का आरोप लगाया है। एसीपी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी गई है।

## दबंगों ने चाचा और भतीजे को पीटा

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

मुरादनगर के गांव अबूपुर निवासी सुमित ने बताया कि भतीजे वंश के साथ बाइक से मुरादनगर गंगनहर पटरी पर गए थे। सोमवार दोपहर दो बजे जब वह वापस जा रहे थे तो बाइक सवार तीन दबंगों ने उन्हें रोक लिया। इसके बाद चाचा-भतीजे की पिटाई कर दी। दोनों किसी तरह जान बचाकर घर पहुंचे। पीड़ति ने मुरादनगर थाने में तहरीर दी है। एसीपी ने बताया कि हर्ष, दीपांशु और चिंकू निवासी भूपेंद्रपुरी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

## बाइक सवार बदमाश ने ऑटो सवार युवक से मोबाइल छीना

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

लोनी के ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र स्थित मंडोला चेक पोस्ट के पास बाइक सवार बदमाश ने ऑटो सवार युवक को मोबाइल छीन लिया। घटना 11 मई की है, जब युवक लोनी से खेकड़ा जा रहा था।

सोमवार को पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। देवराज एनबीसी टाउन पाठशाला थाना खेकड़ा जिला बागपत में रहते हैं। उन्होंने बताया कि 11 मई को वह किसी कार्य से लोनी आए थे। रात करीब नौ बजे वह ऑटो में बैठकर घर जा रहे थे। जब ऑटो दिल्ली सहारनपुर रोड स्थित मंडोला चेक पोस्ट के पास पहुंचा तो उनके मोबाइल पर परिजनों का फोन आ गया तो वह पर बात करने लगे। तभी पीछे से आए बाइक सवार बदमाश ने उनके हाथ से मोबाइल छीन लिया और फरार हो गया। उनके शोर मचाने तक बदमाश आंखों से ओझल हो गया। बाद में उन्होंने ई एफआईआर पर शिकायत की। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पीड़ित की ई एफआईआर पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

## बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर किया सम्मानित

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷

स्थानीय स्कॉलर्स वैली सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों के सम्मान में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण में रंग-बिरंगी सजावट के साथ उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला।

कार्यक्रम में सभी मेधावी छात्रों के अभिभावकों को भी आमंत्रित किया गया, जिससे उनका उत्साह और गर्व दोगुना हो गया। कक्षा 10वीं में शुभव सिसौदिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि हर्षिता द्वितीय और श्वेता राजपूत ने तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। वहीं कक्षा 12वीं में खुशी गुप्ता ने सर्वाधिक अंक अर्जित कर विद्यालय टॉपर का खिताब अपने नाम किया। इन विद्यार्थियों को विद्यालय की ओर से मिठाई खिलाकर, ट्रॉफी और प्रशस्ति

पत्र देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के डायरेक्टर श्री जसप्रीत सिंह और शैलप्रीत कौर ने छात्रों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रधानाचार्य श्री सचिन सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि यह सफलता छात्रों की कड़ी मेहनत, आत्मअनुशासन और शिक्षकों के समर्पण का परिणाम है। उन्होंने सभी छात्रों से भविष्य में भी इसी प्रकार दसवीं कक्षा के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति मेहनत करते रहने की अपील की। जसप्रीत सिंह ने अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

## कासमपुर गढ़ी ने खोया अपना नेक सेवक, मंसूर खान का निधन

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

पास के कासमपुर गढ़ी गांव ने आज एक ऐसे शख्स को खो दिया, जो हमेशा गरीबों के लिए खड़ा रहता था। अपने हंसमुख स्वभाव से सभी के चेहरों पर मुस्कान लाता था।

पूर्व प्रधान पद के प्रत्याशी, मंसूर खान साहब का आज दिल का दौरा पड़ने से असामयिक निधन हो गया। उनके निधन से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मंसूर खान साहब को आज सुबह अचानक दिल का दौरा पड़ा।, जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके निधन की खबर सुनते ही उनके निवास स्थान कासमपुर गढ़ी पर लोगों का तांता लगना शुरू हो गया।

# जज भी इंसान ही होते हैं और उनसे गलती हो जाना स्वाभाविक है: जस्टिस अभय एस ओका

**नईदिल्ली, एजेंसी।** सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस अभय एस ओका ने कहा कि अदालत में फैसला करते समय भी गलती हो सकती है। उन्होंने कहा कि जज भी इंसान ही होते हैं और उनसे गलती हो जाना स्वाभाविक है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि बॉम्बे हाई कोर्ट के जज रहते हुए उनसे भी गलती हुई थी। साल 2016 में घरेलू हिंसा के एक मामले में उनसे सही बात समझने में गलती हो गई। जस्टिस ओका ने कहा कि जजों के लिए लगातार सीखने का सिलसिला चलता रहता है। जस्टिस ओका ने कहा कि यह मानते हुए कि सीआरपीसी की धारा 482 के तहत घरेलू हिंसा कानून की धारा 12 (1) के तहत दी गई याचिका को भी खारिज किया जा सकता है। हालांकि यह कानून कहता है कि कोई भी महिला भुगतान, मुआवजा या फिर अन्य राहत के लिए मजिस्ट्रेट का रुख कर सकती है। जस्टिस ओका और जस्टिस उज्जल भुयान की बेच ने इस मामले में फैसला सुनाया था। वहीं जस्टिस ओका का विचार एकदम अलग था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि हाई कोर्ट को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि घरेलू हिंसा के खिलाफ कानून महिलाओं को न्याय देने के लिए बनाया गया है। ऐसे में धारा 482 के तहत अगर अर्जी खारिज करने की बात आती है तो हाई कोर्ट को गहनता से विचार करना चाहिए। जब तक यह नहीं स्पष्ट होता है कि केवल कानून का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है या फिर केस पूरी तरह से गलत है, इस तरह की याचिका को खारिज नहीं

करना चाहिए।

बेंच की तरफ से फैसला लिखने वाले जस्टिस ओका ने कहा, इस फैसले के साथ यह बताना जरूरी है कि मैं 27 अक्टूबर 2016 को बॉम्बे हाई कोर्ट के एक फैसले में भी शामिल था जिसमें कहा गया था कि घरेलू हिंसा के कानून के सेक्शन 12 (1) के मामले में सीआरपीसी की धारा 482 के तहत मुकदमा खारिज करने का प्रावधान नहीं है। उन्होंने कहा, मेरी इस बात पर हाई कोर्ट की पूरी बेंच सहमत नहीं थी। ऐसे में हमारा कर्तव्य था कि हम अपनी गलती को सुधारें।

जस्टिस ओका ने कहा कि उन्हें अपना फैसला सुधारना पड़ गया। उन्होंने कहा कि यह कहना कि घरेलू हिंसा के मामले में धारा 482 के तहत मुकदमा खारिज करने का प्रावधान ही नहीं है, एक तरह से गलत था। ऐसे में यह लगता था कि मामला केवल सिविल नेचर का ही होगा। हालांकि परिस्थिति के अनुसार धारा 482 के तहत फैसला किया जा सकता था। यह विचार सुप्रीम कोर्ट की बात से भी अलग था। सुप्रीम कोर्ट ने यह कहा था कि यह कानून महिलाओं को न्याय देने के लिए हैं। ऐसे में हाई कोर्ट का फैसला पूरी तरह से सही साबित नहीं होता था। इसमें सुधार किया गया।

### नई तकनीक ने कानून के अध्ययन में ला दी क्रांति- जस्टिस ओका

जस्टिस ओका ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में हजारों न्यायिक निर्णयों का देश की कई भाषाओं में अनुवाद किया गया है। टीएमसी लॉ कॉलेज की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में उनके हवाले से कहा गया, पिछले 30 वर्षों से महाराष्ट्र में जिला अदालत तक में मराठी में काम किया जा रहा है। जस्टिस ओका ने कहा कि नयी प्रौद्योगिकी ने कानूनी अध्ययन में क्रांति ला दी है। उन्होंने कहा, आज उपलब्ध सुविधाओं के साथ, कानून का अध्ययन करना, शोध करना, इसका अर्थ समझना और कम समय में कई निर्णयों को समझना बहुत आसान हो गया है। छात्रों को इनका प्रभावी ढंग से उपयोग करना चाहिए।

## सीएम भजनलाल शर्मा की बैठक में एसडीओ सस्पेंड एसडीएम और तहसीलदार पर गिरी गाज!

**जयपुर, एजेंसी।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक के दौरान भ्रष्टाचार के मामलों पर सख्त रुख अपनाते हुए त्वरित कार्रवाई के आदेश दिए। बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा की गई, जिसमें कलेक्टर और एसपी सहित कई उच्चाधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान रायपुर (ब्यावर) के एसडीओ गुलाब चंद वर्मा को भ्रष्टाचार की शिकायत के चलते तत्काल सस्पेंड कर दिया गया, वहीं रामसर (बाड़मेर) के एसडीएम अनिल कुमार जैन को एपीओ (अवैतनिक प्रतीक्षा आदेश) पर भेजा गया। साथ ही रायपुर (ब्यावर) तहसीलदार पुष्पेंद्र पंचाल और रामसर (बाड़मेर) तहसीलदार अशोक कुमार मेघवाल दोनों को एपीओ किया गया। यह कार्रवाई भ्रष्टाचार से जुड़ी शिकायतें संज्ञान में आने के बाद बैठक के दौरान ही की गई, जिससे प्रशासनिक हलकों में हलचल मच गई। मुख्यमंत्री शर्मा ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि भ्रष्टाचार के मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी।

## महाराष्ट्र में नई कार लेना हुआ मुश्किल, राज्य सरकार ने बना दिया नया नियम

**मुंबई, एजेंसी।** महाराष्ट्र में अब नई कार लेना और भी ज्यादा मुश्किल होने वाला है। राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने सोमवार को यह घोषणा की है कि जब तक खरीदार संबंधित नगर निकाय में पार्किंग स्थान का प्रमाण पत्र नहीं दे देता, तब तक उसके नाम पर नए वाहन का पंजीकरण नहीं किया जाएगा। यह निर्णय मुख्य रूप से मुंबई महानगर क्षेत्र में बढ़ते पार्किंग संकट से निपटने के लिए लिया गया है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक राज्य की नई पार्किंग नीति पर हुई एक उच्च स्तरीय बैठक के बाद यह घोषणा की गई है। बैठक के बाद मंत्री सरनाईक ने कहा, हम पार्किंग स्थल बनाने पर विचार कर रहे हैं। विकास नियमों का पालन किया जाना चाहिए और डेवलपर्स को फ्लैटों के साथ पार्किंग की जगह भी देनी चाहिए। अब जो नए खरीदार होंगे उनके पास यदि नगर निकाय से पार्किंग आवंटन प्रमाण पत्र नहीं है, तो उनके नाम से नए वाहनों का पंजीकरण नहीं किया जाएगा। मुंबई महानगर क्षेत्र में पार्किंग की जगह की भारी कमी को स्वीकार करते हुए कहा कि शहरी विकास विभाग शहर के बड़े मनोरंजन स्थलों के नीचे पार्किंग प्लाजा के निर्माण की अनुमति देने पर काम कर रहा है। इसके अलावा सरनाईक ने पॉड टैक्सी नेटवर्क को लेकर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि हम इस पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, पॉड टैक्सी परियोजना पर एक डिजाइन मेरे सामने रखा गया था। मैंने वडोदरा का दौरा किया है, जो दुनिया की पहली पॉड-कार परियोजना की मेजबानी करने को तैयार है।

## सुक्खू सरकार की बड़ी सौगात- 1000 पशु मित्रों की भर्ती समेत कई कर्मियों का मानदेय बढ़ा, गौवंश चारे का अनुदान भी बढ़ा

**शिमला, एजेंसी।** मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में सोमवार को राज्य सचिवालय में हुई हिमाचल प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। बैठक में पशु मित्र नीति-2025 को मंजूरी देते हुए पशुपालन विभाग में 1,000 मल्टी-टास्क वर्कर (पशु मित्र) की भर्ती को हरी झंडी दी गई। मंत्रिमंडल ने शिक्षा विभाग में स्कूल लाइब्रेरी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 100 जूनियर ऑफिस असिस्टेंट (लाइब्रेरी) के पद भरने की स्वीकृति दी गई है। वहीं राजस्व विभाग में भी 10 सीनियर असिस्टेंट और 15 जूनियर ऑफिस असिस्टेंट (आईटी) के पद सृजित किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि हमीरपुर स्थित राज्य परिवहन अपीलीय अधिकरण में विभिन्न श्रेणियों के 5 पदों को भरने का निर्णय लिया गया है। साथ ही आयुष विभाग में 5 आयुर्वेदिक फार्मेसी अधिकारियों की भर्ती बैच आधार पर करने का भी फैसला किया गया। प्रवक्ता ने कहा कि राज्य सरकार ने गौसदनों में रखे गए गौवंश के लिए चारे की अनुदान राशि को 700 रुपये से बढ़ाकर 1200 रुपये प्रति मवेशी प्रति माह करने का निर्णय लिया है, जिससे गोसेवा से जुड़ी संस्थाओं को राहत मिलेगी।

स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत कर्मियों के लिए राहत भरी घोषणा करते हुए कैबिनेट ने ऑपरेशन थिएटर सहायकों का मानदेय 17,820 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये और रेडियोग्राफर एवं एक्स-रे तकनीशियनों का मानदेय 13,100 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये करने की मंजूरी दी।

प्रवक्ता के मुताबिक पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अहम पहल करते हुए मुख्यमंत्री ग्रीन एडॉप्शन योजना को मंजूरी दी गई है। इस योजना के तहत निजी उद्यमियों को सीएसआर फंडिंग के माध्यम से जर्जर वन भूमि पर पौधारोपण करने की अनुमति दी जाएगी, जिससे वन क्षेत्र में बढ़ोतरी हो सके। उन्होंने कहा कि शहरी विकास को संतुलित रखने के उद्देश्य से हिमाचल प्रदेश टाउन एंड कंट्री प्लानिंग नियमावली 2014 में संशोधन किया गया है। अब शिमला नगर निगम क्षेत्र में घाटी की ओर बनने वाले भवन सड़क स्तर से कम से कम एक मीटर नीचे होंगे।माता तारा देवी मंदिर के आसपास के वन क्षेत्र को शिमला विकास योजना के हरित क्षेत्र में शामिल करने का भी निर्णय लिया गया है जिससे इस धार्मिक स्थल के आसपास का क्षेत्र पर्यावरणीय दृष्टि से संरक्षित रह सके। उन्होंने कहा कि युवाओं को स्वरोजगार के अधिक अवसर देने के लिए राजीव गांधी स्वरोजगार स्टार्टअप योजना-2023 के अंतर्गत ई-टैक्सियों की खरीद हेतु व्यापक दिशा-निर्देश तैयार किए जाएंगे।

लोक निर्माण विभाग में डिज़ाइन विंग को सिविल विंग में विलय करने का निर्णय भी लिया गया है। इससे विभाग की कार्यप्रणाली और अधिक दक्ष एवं प्रभावी हो सके। इसके अलावा कुल्लू जिले के निरमंड विकास खंड में स्थित पशु औषधालय सराहन का नाम बदलकर बगा सराहन किया गया है।

## आगरा-ग्वालियर हाईवे पर 2 ट्रकों की टक्कर के बाद लगी आग, एक का ड्राइवर जिंदा जला

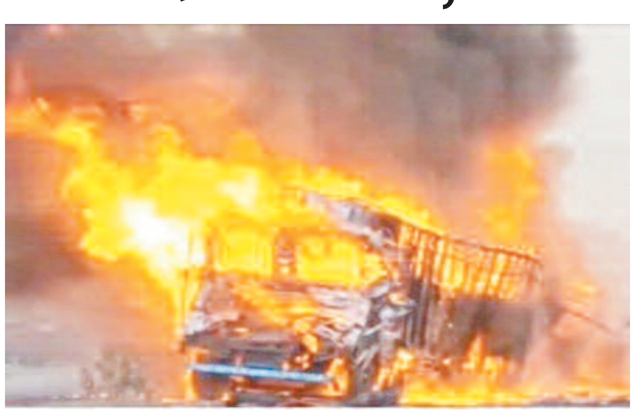

**आगरा, एजेंसी।** आगरा-ग्वालियर हाईवे पर दो ट्रकों की भिड़ंत के बाद लगी आग में एक ट्रक का ड्राइवर जिंदा जल गया। यह हादसा, आगरा के सैंया थाना क्षेत्र में हुआ है। एक ट्रक आगरा से धौलपुर की ओर जा रहा था। उसकी दूसरे ट्रक से टक्कर हो गई। टक्कर के बाद ट्रक में आग लग गई। इस दौरान एक ट्रक में ड्राइवर अंदर ही फंसा रह गया। आग में जलकर उसकी मौत हो गई।

ग्वालियर हाईवे पर हुए इस हादसे के बाद सड़क पर जाम लग गया। आग की ऊंची-ऊंची लपटें और धुएं का गुबार देख आसपास से लोग दौड़ते हुए मौके पर पहुंचे। लोग, आग की भयावहता से हैरान थे। इसी बीच किसी ने पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दूसरे ट्रक के ड्राइवर और एक क्लीनर को सैंया के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पर इलाज के लिए पहुंचाया। यह हादसा, मंगलवार को भोर में करीब साढ़े 5 बजे के आसपास हुआ। जिस जगह पर ट्रकों की भिड़ंत हुई वो सैंया थाना क्षेत्र के बीरई गांव के पास है। मिली जानकारी के अनुसार आगरा की ओर से आ रहे ट्रक में परचून का सामान लदा था। जबकि दूसरे ट्रक में हार्डवेयर का सामान लोड था।

हादसे के बाद ट्रक में आग लग गई और एक ट्रक के ड्राइवर को बाहर निकलने का मौका ही नहीं मिला। वह आग की लपटों के बीच घिर गया। ट्रक के अंदर ही वह आग की चपेट में आ गया। ड्राइवर की ट्रक के अंदर जलकर दर्दनाक मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने परचून के सामान से लोड ट्रक से ड्राइवर और क्लीनिर को बाहर निकाला। उन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जिस ट्रक पर हार्डवेयर लोड था उसका ड्राइवर अंदर ही फंसा रह गया। आग से जलकर उसकी मौत हो गई। आग बुझाए जाने के बाद पुलिस ने उसके शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है।

## तुर्की के सेब से हिमाचल को घाटा, सीएम सुक्खू बोले- प्रतिबंध लगाने के लिए प्रधानमंत्री को लिखूंगा लेटर

**शिमला, एजेंसी।** हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को कहा कि वे केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर तुर्की से सेब के आयात पर प्रतिबंध लगाने की मांग करेंगे। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि बागवानों ने हिमाचल प्रदेश को सेब उत्पादक राज्य बनाने के लिए बहुत मेहनत की और जब उनके उत्पाद को लाभकारी मूल्य नहीं मिलता है तो उत्पादक निराश महसूस करते हैं। सीएम सुक्खू ने कहा,पिछले कुछ समय से तुर्की और अमेरिका से आयातित सेब ने हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के सेब उत्पादकों को प्रभावित किया है। मैं केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री को तुर्की से सेब के आयात पर प्रतिबंध लगाने के लिए लिखूंगा।

उन्होंने आगे कहा,24 मई को प्रधानमंत्री ने सभी मुख्यमंत्रियों की बैठक बुलाई है और मैं व्यक्तिगत रूप से उनसे इस संबंध में बात करूंगा। हिमाचल प्रदेश में सेब उद्योग का अनुमानित मूल्य 4,500 करोड़ रुपये है। सुक्खू ने यह भी कहा कि जीएसटी और रियल एस्टेट जैसे सभी नियामक प्राधिकरणों के कार्यालयों को शहर को भीड़भाड़ से मुक्त करने के लिए शिमला से बाहर स्थानांतरित कर दिया जाएगा। हालांकि,सरकारी विभाग शहर में ही रहेंगे।

सुक्खू ने कहा कि महिला कर्मचारियों को शिमला में रहने का विकल्प दिया जाएगा और नए कर्मचारियों को भी नियुक्त किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली भाजपा सरकार ने धर्मशाला और मंडी में भारी लागत पर इमारतें बनाई थीं जो खाली पड़ी हैं और उनका उपयोग किया जाएगा। पर्यटकों का स्वागत करते हुए सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश एक शांतिपूर्ण और सुरक्षित राज्य है और पर्यटक यहां की ताजी हवा और प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने के लिए स्वागत है।

## भारत-पाक संघर्ष के दौरान नहीं दिखा परमाणु हमले का सिग्नल

### विदेश सचिव ने खारिज किया ट्रंप का दावा

**नईदिल्ली, एजेंसी।** विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने सोमवार को संसदीय समिति को बताया है कि भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में खत्म हुआ संघर्ष पारंपरिक तरीके तक ही सीमित रहा और पड़ोसी देश की ओर से परमाणु हमले के कोई संकेत नहीं दिए गए थे। सूत्रों ने बताया है कि विक्रम मिस्त्री ने सरकार के इस रुख को भी दोहराया है कि सैन्य कार्रवाई रोकने का फैसला द्विपक्षीय स्तर पर लिया गया था। इसके साथ ही विक्रम मिस्त्री ने संघर्ष रोकने में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा गए दावों को भी खारिज किया है।

बता दें कि इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप कई बार यह कह चुके हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता कर इस संघर्ष को खत्म करवाया। ट्रंप के यह दावा भी किया है कि अगर वह भारत-पाक के बीच समझौता नहीं करवाते तो यह संघर्ष परमाणु युद्ध में बदल सकता था। इसे लेकर संसदीय दल में मौजूद कुछ विपक्षी सांसदों ने सवाल भी उठाए। हालांकि भारत ने यह स्पष्ट किया है कि दोनों देशों के बीच हुई सीधी बातचीत के बाद ही सीजफायर पर निर्णय लिया गया।

**दोनों देशों के बीच हुई थी सीधी बात**

विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने सोमवार को संसदीय पैनल को ऑपरेशन सिंदूर पर जानकारी देते हुए दोहराया कि संघर्ष विराम पर पहुंचने का निर्णय द्विपक्षीय स्तर पर लिया गया था। उन्होंने बताया कि दोनों देशों के बीच ष्ठत्रस्र्ह्र स्तर पर हुई बातचीत के बाद 10 मई को सभी सैन्य कार्रवाइयों को रोकने पर सहमति बनी थी।

**चीनी हथियारों पर क्या बोले?**

कांग्रेस सांसद शशि थरूर की अध्यक्षता में विदेश मामलों पर संसद की स्थायी समिति की इस बैठक में ञस्ष्ट के अभिषेक बनर्जी, कांग्रेस के राजीव शुक्ला और दीपेंद्र हुड्डा, ढ्ढरूढ्ढरू प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और भाजपा की अपराजिता सारंगी और अरुण गोविल सहित कई सांसदों ने हिस्सा लिया। विदेश सचिव ने इस दौरान यह भी कहा कि हमले के दौरान पाकिस्तान ने चीनी हथियारों का इस्तेमाल किया या नहीं किया यह महत्वपूर्ण नहीं है। विक्रम मिस्त्री ने कहा कि इससे ज्यादा अहम यह है कि सशस्त्र बलों ने भारत के सैन्य ठिकानों और नागरिक क्षेत्रों को निशाना बनाने की पाकिस्तान की कोशिशों का करारा जवाब दिया है।

## राउत को शरद पवार की नसीहत- आतंकवाद के खिलाफ केंद्र के अभियान में लोकल पॉलिटिक्स न घसीटें

**पुणे, एजेंसी।** राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (स्क्क) के अध्यक्ष शरद पवार ने सोमवार को शिवसेना (उद्धव गुट) के सांसद और नेता संजय राउत को एक तरह से आड़े हाथों लेते हुए उन्हें भारत के वैश्विक संपर्क प्रयासों में 'स्थानीय स्तर की राजनीति' नहीं लाने की सलाह दी है। पवार ने ऑपरेशन सिंदूर के सिलसिले में विदेश भेजे गए भारतीय सांसदों के राजनयिक प्रतिनिधिमंडल के बारे में शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत की टिप्पणी की आलोचना की है। दरअशल, संजय राउत ने एक दिन पहले विभिन्न देशों में प्रतिनिधिमंडल भेजने के केंद्र के कदम का बहिष्कार करने का आह्वान किया था।

पवार ने याद दिलाया कि वह पूर्व प्रधानमंत्री पी वी नरसिम्हा राव द्वारा भाजपा नेता अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में संयुक्त राष्ट्र में भेजे गए प्रतिनिधिमंडल के सदस्य थे। पूर्व रक्षा मंत्री ने बारामती में संवाददाताओं से कहा, ''जब अंतरराष्ट्रीय मुद्दे सामने आते हैं तो पार्टी स्तर की राजनीति नहीं करनी चाहिए। आज केंद्र ने कुछ प्रतिनिधिमंडल गठित किए हैं और उन्हें कुछ देशों में जाकर पहलगाम हमले पर भारत के रुख और उसके बाद पाकिस्तान की ओर से की गई गतिविधियों के बारे में जानकारी देने का काम सौंपा गया है।

### संजय राउत ने बहिष्कार का किया था आह्वान

राउत ने रविवार को कहा था कि विपक्षी गुट 'इंडिया' के घटक दलों को विभिन्न देशों में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने के केंद्र सरकार के कदम का बहिष्कार करना चाहिए। राउत ने दावा किया कि वे सरकार के 'पापों और अपराधों' का बचाव करेंगे। पवार ने कहा कि राउत को अपनी राय रखने का अधिकार है। उन्होंने कहा, ''लेकिन उनकी पार्टी (शिवसेना-उबाठा) का एक सदस्य प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा है। मुझे लगता है कि स्थानीय स्तर की राजनीति को इस मुद्दे में नहीं लाया जाना चाहिए।''

### प्रतिनिधिमंडल में शिवसेना और एनसीपी की भी एक-एक सांसद

महाराष्ट्र में विपक्षी दल महा विकास आघाडी (एमवीए) में शिवसेना (उबाठा), कांग्रेस और शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) शामिल हैं। राकांपा (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ऐसे एक प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं जिसमें उनके साथ शिवसेना (उबाठा) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी भी हैं।

## अवैध तमंचे के साथ एक गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। जनपद बिजनौर में अपराध की रोकथाम एवं अवैध शस्त्र रखनेवालेअभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहेअभियान के क्रम में थाना नगीना पुलिस द्वारा मुखविर की सूचना पर अभियुक्त फईम पुत्र नफीस निवासी मौ0 कलालन थाना नगीन जनपद बिजनौर को 01 अवैध तमंचा 315 बोर सहित गिरफ्तआर किया गया। इस संबंध में थाना नगीना पर मु0अ0सं0 81/2025 धारा 325आयुध अधिनियम पंजीकृत किया गया। अग्रिम कार्यवाही प्रचलित है गिरफ़्तार करने वाली टीम में उप निरीक्षक रामचन्द्र सिंह कांस्टेबल 2540 प्रेमचंद कांस्टेबल संदीप तोमर कांस्टेबल प्रदीप कुमार कांस्टेबल 1056 अंकीत कुमार कांस्टेबल कांस्टेबल थाना नगीना शामिल रहे।

## भाजपा द्वारा 23 मई को नगीना में स्वाभिमान तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। 23 मई को नगीना में स्वाभिमान तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष प्रमोद चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद सेना के पराक्रम को नमन व वंदन करने के लिए नगीना में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह यात्रा 23 मई को प्रातः 10 बजे गाँधी मूर्ति से प्रारम्भ होकर नगर पालिका, मंडी मौलगंज, लुहारी सराय, बड़ा मंदिर, बाजार बारादरी, बड़ा बाजार होते हुए पहाड़ी दरवाजा जाकर समाप्त होगी। प्रमोद चौहान ने सभी माताओं, बहनो, डॉक्टरों, एडवोकेट, अध्यापक, अध्यापिकाओं, सामाजिक संस्थाओं व शिक्षण संस्थाओं के पदाधिकारीओं, राजनैतिक दलों के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं व सम्मानित जनता से तिरंगा यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की।

## भागवत कथा के चौथे दिन श्री कृष्ण के जन्म व बाल लीलाओं का वर्णन

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। चामुंडा देवी मंदिर में चल रहे सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा के पांचवे दिन कृष्ण के जन्म व उनकी बाल लीलाओं का वर्णन किया। सोमवार को श्री कंठ महादेव सेवा ट्रस्ट की ओर से श्री चामुंडा देवी मंदिर परिसर में आयोजित कथा के पांचवे दिन कथा व्यास सुधांशु महाराज ने भगवान श्री कृष्ण के जन्म व उनकी बाल लीलाओं का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि कृष्ण के जन्म होते ही उनकी लीलाएं शुरू हो गई थीं। मां देवकी व पिता वासुदेव की बेडियां कट गई। कैद के ताले टूट गए, रक्षक सो गए। वासुदेव ने उन्हें नंद के घर पहुंचा दिया तथा माया को वहां से ले आए। बाल्य काल में ही भगवान श्री कृष्ण ने बहुत सारे राक्षसों को मारकर मुक्ति प्रदान की। वहीं, अपने बाल सखाओं के साथ खूब मश्ती भी की। इंद्र के घमंड का मर्दन किया, गोवर्धन पर्वत को मान दिलवाया। कथा सुनकर श्रद्धालु भाव विभोर हो गए। यजमान अतुल वर्मा, पूनम वर्मा, सुभाष सैनी, गुड्डी सैनी, मुकेश गुप्ता, पायल गुप्ता, कपिल शर्मा, डॉ.शशांक गौतम, प्रदीप अग्रवाल, पूजा अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

## अहिल्याबाई होलकर के 300 वे जन्म उत्सव में हुआ कार्यक्रम

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷। आचार्य आर एन केला इंटर कॉलेज में रानी अहिल्याबाई होलकर के 300 वे जन्म उत्सव पर एक कार्यक्रम विद्यालय की छात्राओं द्वारा रंगोली बनाकर एवं प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में तपराज सिंह ब्लाक प्रमुख, हर्षित अग्रवाल सराफ प्रबंधक, नकुल अग्रवाल नगर अध्यक्ष भाजपा, रचित अग्रवाल प्रदेश मंत्री व्यापार संगठन, अभिषेक यादव महामंत्री भाजपा, कुणाल शर्मा भाजपा नेता, डॉ भूपेंद्र कुमार प्रधानाचार्य, श्रीमती मनोज शर्मा प्रधानाचार्य एवं समश्त स्टाफ आचार्य आर एन केला इंटर कॉलेज उपस्थित रहे। कार्यक्रम में रंगोली प्रतियोगिता के विजेता साथ और छात्रों को प्रमाण पत्र देकर मेडल बनाकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख तपराज सिंह, हर्षित सर्राफ, नकुल अग्रवाल प्रधानाचार्य, डॉक्टर भूपेंद्र, रचित अग्रवाल, अभिषेक यादव ने वन ए रानी अहिल्याबाई होल्कर के जीवन के विषय पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हम सबको उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। प्रधानाचार्य भूपेंद्र एवं श्रीमती मनोज सिंह ने आभार व्यक्त किया..!

## सोशल मीडिया का किशोरावस्था पर दुष्प्रभाव शीर्षक पर प्रतियोगिता आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। ऑक्सफोर्ड पब्लिक सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में कक्षा छः के चारो सदन के छात्रों ने ह्यसोशल मीडिया का किशोर अवस्था पर दुष्प्रभाव शीर्षक पर वाद- विवाद प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते हुए अपने अपने विचारो को रखा। जिसमें शीर्षक के पक्ष एवं विपक्ष में बोलते हुए मौलाना सदन से मोहित पाल, काव्या त्यागी, नेहरू सदन से विवान, दीक्षा, सुभाष सदन से हंशिका, अर्थव व टैगोर सदन से हुमैरा, कार्तिके छात्र - छात्राओं ने अपने - अपने सदन का प्रतिनिधित्व किया। आयोजित इस प्रतियोगिता में सुभाष सदन ने प्रथम, टैगोर सदन व नेहरू सदन ने द्वितीय तथा मौलाना सदन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मण्डल में अग्रेंजी शिक्षिका चारू सिंह व विज्ञान शिक्षिका स्वाति भारद्वाज ने विभिन्न मापदंड के आधार पर प्रतियोगिता का निर्णय किया। इस अवसर पर जूनियर विंग कॉर्डिनेटर तब्बुज जैनी, निशात मिर्जा, अंजलि रानी, विंसी चौधरी, नाजिया सलमानी, वर्षा चौहान, मोनिका शर्मा, आरती गौढ़, कामना चौहान, सोहित शर्मा, शुभम कुमार, हर्ष अहलावत आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पूनम महरौत्रा ने किया।

## श्री श्याम आराधना का चतुर्थ महोत्सव आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷। बीती देर शाम नगीना रोड रामलीला ग्राउंड में श्री श्याम नवयुवक सैनी संगठन धामपुर(बिजनौर) द्वारा श्री श्याम आराधना चतुर्थ विशाल व भव्यवतम महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि स्वयं श्री श्याम बाबा रहे। सर्वप्रथम पुरोहित पंडित गौरव भारद्वाज द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजन प्रारंभ किया जिसमें 07 विवाहित जोड़े पूजन में बैठे। पूजन विधि विधान के साथ संपन्न कराया। इससे पूर्व अखण्ड ज्योत खाटू श्याम से लाई गई। इसके बाद मां कालिया वाला मंदिर से होते हुए रामलीला ग्राउंड खाटू श्याम के दरवार में अखंड ज्योत को विराजमन किया गया।

# परवर्तन दल की टीम ने छापा मारकर बिजली चोरी पकड़ी

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

विद्युत परवर्तन दल की टीम ने बीते दिवस रात्रि में 9:45 चांदपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सदनपुर में मोहम्मद ताहिर पुत्र मोहम्मद हनीफ की आटा चक्की पर छापा मारकर अवैध रूप से चलाई जा रही बिजली की चोरी को पकड़ा। बिजली विभाग के छापामारी से ग्रामीणो सहित क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

मिली जानकारी के अनुसार महानिदेशक व पुलिस अधीक्षक मुख्यालय के मार्गदर्शन में अपर पुलिस अधीक्षक डिस्काम मेरठ, पुलिस उपाधीक्षक मुरादाबाद के निर्देशन में विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस टीम में प्रभारी परवर्तन दल, बिजनौर टीम जिसमें देवेंद्र सिंह ,उप निरीक्षक प्रमोद कुमार, मुख्य आरक्षी मोहम्मद वारिस, एवं विद्युत विभाग के उपखंड अधिकारी हलदौर अभय कुमार सिंह और अभियंता मनोज कुमार 33 / 11 केवी उपकेंद्र पैजानिया के साथ सदनपुर में छापा मारा।

मोहम्मद ताहिर की आटा चक्की की जांच की गई ।जिसमें उपभोक्ता मीटर के अतिरिक्त मीटल को बाईपास करके तीन कोर वाली केबल आईटी पोल से डालकर बिजली का अवैध प्रयोग कर आटा चक्की चला रहा था। बताया गया है कि 7:5 हॉर्स पावर स्वीकृत बिजली के स्थान पर 5995 वाट विद्युत भार चलते पाया गया। उपरोक्त के विरुद्ध मा0 वि0 अधिनियम 2003 की धारा 135 के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत कराया जा रहा है।

चेकिंग रिपोर्ट संख्या 4/8804 मौके पर भारी गई वह वीडियो ग्राफी कराई गई है। त कराना है कि आज दिनांक 19.05.2025 को श्रीमान महानिदेशक व पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) महोदय के मार्गदर्शन में एवं श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक महोदय डिस्कॉम, मेरठ व पुलिस उपाधीक्षक, मुरादाबाद के निर्देशन में विशेष चैकिंग अभियान में, मैं प्रभारी प्रवर्तन दल, बिजनौर मय टीम जिसमें देवेन्द्र सिंह, उ.नि. प्रमोद कुमार, मु.आ. नौ. वारिस एवं विद्युत विभाग के उपखण्ड अधिकारी अभय कुमार सिंह (हल्दौर) अवर अभियन्ता मनोज कुमार 33/11/केवी उपकेन्द्र पैजानिया, चांदपुर के साथ समय 08.45 बजे रात को ग्राम सदनपुर पौ. खासपुरा थाना चांदपुर, निवासी मौ० ताहिर पुत्र मौ. हनीफ के परिसर (आटा चक्की) की जांच की गई तो पाया गया कि उपभोक्ता मीटर के अतिरिक्त मीटर को बाईपास करके तीन कोर वाली केबिल एलटी पोल से डालकर विद्युत का अवैध प्रयोग कर आटा चक्की 7.5 एचपी (5995वाट) चलाते पाया गया। उपरोक्त के विरुद्ध मा०वि० अधि02003 की धारा 135 के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत कराया जा रहा है। चैकिंग रिपोर्ट सं0 04/8804 मौके पर भरी गयी व विडियोग्राफी कराई गयी है।

## डग्गामार वाहनों के खिलाफ सड़क पर उतरे एसडीएम

✷एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

एसडीएम विजय शंकर ने पुलिस के साथ सड़क पर उतरकर डग्गामार

वाहनों के खिलाफ अभियान चलाया। जिससे डग्गामार वाहन चालकों में हड़कंप मच गया।

एसडीएम विजय शंकर ने जगह-जगह वाहनों को रोककर कागजात चेक किए। इस दौरान एसडीएम ने दो बस, दो मैक्स, तीन मिनी वैन सहित सात डग्गामार वाहनों को सीज कर दिया। एसडीएम की इस कार्रवाई को देख कई वाहन चालक राश्ते बदलते

नजर आए। एसडीएम ने डग्गामार वाहन चालकों को कड़ी चेतावनी भी दी। एसडीएम ने कहा कि डग्गामार वाहनों का संचालन नही होने दिया जायेगा। इस मौके पर सीओ नितेश प्रताप सिंह, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) बिजनौर, थाना प्रभारी निरीक्षक नजीबाबाद तथा सहायक क्षेत्रीय प्रबन्धक, उ.प्र. राज्य सड़क परिवहन निगम नजीबाबाद आदि मौजूद रहे।

## गैंगरेप के आरोप में नाबालिग को फसाने का आरोप, प्रदर्शन

✷एनसीआर टुडे. किरतपुर ✷

गैंगरेप के आरोप में नाबालिग को जेल भेजने पर ग्रामीणों ने बिजनौर में प्रदर्शन किया और पुलिस अधीक्षक से निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों को जेल भेजने की मांग की।

सोमवार को ग्राम गाजीपुर कुम्हेड़ा निवासी पुरन सिंह ग्रामीणों के साथ ट्रैक्टर-ट्रालियों में भरकर बिजनौर पहुंचे जिनमें बड़ी संख्या महिलाएं थीं और उन्होंने वहां प्रदर्शन कर पुलिस अधीक्षक को एक मांग पत्र दिया। जिसमें पुलिस अधीक्षक से निष्पक्ष है। जांच कराकर दोषियों को जेल भेजने की मांग की है। मांग पत्र में पुलिस अधीक्षक को अवगत कराया है कि अपराध संख्या 114/25 में किरतपुर पुलिस द्वारा गैंगरेप में एक नाबालिग को पकड़कर जेल भेज दिया है। नाबालिग की मां रुपा पत्नी पूरन ने

पुलिस अधीक्षक को बताया कि उसके पुत्र को किरतपुर ने पूछताछ के नाम पर थाने बुलाया और उसे गैंगरेप में फंसा दिया और जेल भेज दिया है। जबकि एक आरोपी अभी भी गांव में खुले आम घूम रहा है। पुलिस उसे पकड़ नहीं रही है। जबकि वह मुठभेड़ में गिरफ्तार अभियुक्त नितिन का साथी है। रुपा ने बताया कि उसके नाबालिग पुत्र का गैंगरेप में कोई हाथ नहीं है उसे झूठा व निराधार फंसाया जा रहा है। जबकि उसका नाबालिग पुत्र निर्दोष

बिजनौर में पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देने वालों में हरिओम, पवन, जितेंद्र, विपिन, रमेश, राजेंद्र, जबर सिंह, वीर सिंह, अरविंद सिंह, नरेश, तुल्लर सिंह भगत जी एंव महिलाओं में रूपा, संकरी, फूलो, रीना, रमेश, ज्योति, मुन्नी देवी, संत्या आदि रहीं।

# भनेड़ा टोल प्लाजा पर टोल कमी और वाहन सवार युवकों में मारपीट

**पिस्टल लहराने का वीडियो वायरल**

✷एनसीआर टुडे. किरतपुर ✷

शाम लगभग 5:30 बजे नजीबाबाद रोड पर स्थित भनेड़ा टोल प्लाजा पर टोल प्लाजा की अचानक बूम गिरने के कारण स्कॉर्पियो कार का शीशा टूट गया।

जिस कारण कार सवार युवकों में और टोल कर्मियों में काफी विवाद उत्पन्न हो गया और मामला मारपीट में तब्दील हो गया। मारपीट के पश्चात स्कार्पियो सवार युवकों में से एक युवक ने अपनी जेब से पिश्तौल निकाल कर हवा में लहराया। जिसका वीडियो भी सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया।

कार सवार युवक रामपुर जनपद के आभूषण कारोबारी का बेटा था। जिसने शीशा टूटते ही गाड़ी से निकालकर टोल कर्मी के थप्पड़ मार दिया। जिस कारण दोनों पक्षों में विवाद हो गया। कुलदीप कुमार का कहना है कि घटना होते ही आसपास खड़े उसके साथी वहां पहुंच गए। जिस कारण उसकी जान बच सकी। टोलकर्मी कुलदीप कुमार ने थाने में तहरीर देते हुए कार सवार युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही के लिए कहा थाना प्रभारी ने बताया कि टोलकर्मी कुलदीप कुमार की तहरीर के आधार पर कर सवार युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

घटना की जांच कर शीघ्र कार्यवाही की जाएगी। वहीं दूसरी ओर घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही और पता चलते ही क्षेत्र के कुछ सत्ताधारी लोग कार सवार युवको के हमदर्द बनकर मामले का निपटारा करते हुए नजर आए। परंतु उनका प्रयास कुछ काम ना आ सका।

## पोषक नहर में घर से गायब हुई 25 वर्षीय युवती रुचिका का मिला शव

✷ एनसीआर टुडे. धामपुर ✷

10 दिन से गायब लड़की का 19 मई को परिजनों की तहरीर के आधार पर मृतिका रुचिका का शव धामपुर की बड़ी पोषक नहर में पाया गया।

वही सूचना पर थाना कोतवाली धामपुर पुलिस प्रशासन की टीम ने पहुंचकर मृतक लड़की की सूचना परिवार को दी गई। बही प्रशासन ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बताया जा रहा है कि मृतक लड़की का किसी लड़के के साथ अफेयर भी चल रहा था। लड़की एक ब्यूटी पार्लर पर काम कर रही थी। जिसको लेकर प्रेमी पर मृतक के स्वजनों ने प्रेमी पर हत्या का आरोप लगाया। और हत्या का आरोप लगाकर भारी संख्या में थाने पहुंचे। मृतक लड़की के परिवार व ग्रामीणों ने थाने मे धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। मौके पर पहुंचे ए.एस.पी पूर्वी अमित किशोर श्रीवाश्तव ने थाने पहुंचकर पूरे मामले की जानकारी ली। समझा बुझाकर मामले को शांत किया।

# जिलाधिकारी के निर्देश पर नर्गदी गंधू में कैंप लगाकर सुनी ग्रामीणों की समस्या

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

कैंसर से हो रही मौतों को लेकर जिलाधिकारी के निर्देश पर विभिन्न विभागों की टीम ने गांव नरगदी गंधु में कैंप आयोजित किया। जिसमें ग्रामीणों से वार्ता की गई। उनकी समस्याओं को सुना गया तथा उनके समाधान का आश्वासन दिया गया।

सोमवार को डीपीआरओ दमनप्रीत अरोडा, एडीपीओ रिजवान अहमद, सीएमओ कौशलेन्द्र सिंह, डीडीएम हैल्थ रोबिन कुमार, खाद्य सुरक्षा अधिकारी नरेश कुमार, बीडीओ प्रताप सिंह, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी आशीष आर्य आदि विभिन्न विभागों के अधिकारी ग्राम नरगदी गंधु पहुंचे। उन्होंने गांव स्थित पंचायत घर में कैंप लगाकर ग्रामीणों से वार्ता की।

ग्रामीणों ने उन्होंने कैंसर से हुई मौतों तथा कैंसर से जुझ रहे लोगों के विषय में बताया। साथ तालाब का पानी दूषित होने की जानकारी दी। जिस पर डीपीआरओ दमनप्रीत अरोडा ने सबंधित विभाग के अधिकारियों को गांव में निरंतर साफ सफाई कराने, गांव के किसी भी नाले का पानी तालाब में न जाने देने, मत्स्य पालन के लिए तालाब का पट्टा न करने, तालाब को अमृत सरोवर के रूप में विकसित करने, हर घर जल योजना के तहत बनाई गई टंकी को दो कार्य दिवसों में संचालित कर गांव में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने, गांव में नियमित स्वास्थ्य कैंप लगाने आदि के निर्देश दिए।

ग्राम प्रधान पति आबिद अंसारी, ओमपाल सिंह, धर्मेंद्र कुमार, गजराज सिंह, ब्रह्मपाल सिंह, अंकुल कुमार, हिमांशु कुमार, हरीश कुमार, सोमपाल सिंह, मामराज सिंह आदि मौजूद रहे। अधिकारियों ने रिपोर्ट जिलाधिकारी को प्रेषित करने की बात कही है।

वहीं, स्वास्थ्य विभाग की ओर से मौके पर स्वास्थ्य कैंप लगाया लगाया गया। जिसमें मरीजों की जांचकर उन्हें दवाईयां दी गई। डॉ.अनम रईस, बीपीएम अमित श्रीवाश्तव, एलटी सौरभ चौहान, विमल कुमार, बीसीपीएम राजेश कुमार आदि रहे।

# पीपी मॉडल एवं निबंधन मित्र व्यवस्था के विरोध में चौथे दिन भी धरना जारी

✷एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

नगर मे उत्तर प्रदेश दश्तावेज लेखक एसोसिएशन रिजिस्टर्ड के बैनर तले पीपीपी मॉडल व निबन्धन मित्र व्यवस्था के विरोध में धरना प्रदर्शन चौथे दिन भी जारी रहा।

पीपीपी मॉडल व निबंधक मित्र व्यवस्था किसी भी सूरत में लागू नहीं होने के सम्बन्ध में प्रदेश के मुख्यमंत्री को सम्बोधित एक ज्ञापन नजीबाबाद विधायक हाजी तसलीम अहमद को सौपा गया।

ज्ञापन में कहा गया की नजीबाबाद के उप- निबंधक कार्यालय, रजिस्ट्री कार्यालय पर समश्त दश्तावेज लेखक, अधिवक्ताओं व स्टांप विक्रेताओं का सरकार द्वारा लागू किये जा रहे पीपीपी मॉडल व निबन्धन मित्र व्यवस्था के विरोध में चौथे दिन भी विरोध-प्रदर्शन जारी है। वही सपा विधायक हाजी तसलीम अहमद धरने में पहुँचे और अपना समर्थन देते हुई उत्तर प्रदेश दश्तावेज लेखक एसोसिएशन को आश्वासन देते हुई कहा आपकी समस्या को लख़नऊ विधानसभा में उठा कर इसका समाधान किया जाएगा।

ज्ञापन में कहा गया की उप- निबंधक कार्यालय पर सरकार द्वारा लागू की जा रही पीपीई मॉडल व निबन्धन मित्र व्यवस्था का जमकर विरोध करते हुए अनिश्चित कालीन हड़ताल कर कार्यालय परिसर में धरना प्रदर्शन चालू रहा। जब तक सरकार पीपीपी मॉडल व निबन्धन मित्र की व्यवस्था की नीति को नहीं हटाती है। वह सब इस नीति के विरोध में अनिश्चित कालीन हड़ताल कर धरना-प्रदर्शन जारी रखेंगे। धरने में मोहम्मद असलम अध्यक्ष, शशिकांत जिला सचिव, हेमराज सिंह उपाध्यक्ष, सौरभ कुमार सचिव, मेघनाथ सिंह, अब्दुल रब, फुरकान अहमद, शहजाद, असलम एडवोकेट, अमित सिंगला एडवोकेट, बहार आलम एडवोकेट, गौरव कुमार एडवोकेट, मोहम्मद काशिफ एडवोकेट, नसीम अख्तर, मोहम्मद तारिक, मुकुल शर्मा एडवोकेट जीशान सहित काफ़ी संख्या में लेखक व एडवोकेट मौजूद रहे।

## मैधावी छात्रों को चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी ने किया सम्मानित

✷एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

नगर के रिलायंस ट्रेंड्स स्टोर में स्टूडेंट सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी रहे। उन्होंने स्टूडेंट को सम्मानित किया।

नजीबाबाद के रिलायंस ट्रेंड शोरूम की ओर से 10वीं और 12वीं कक्षा के टॉपर बच्चों को सम्मानित किया। चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी ने कहा की इन बच्चों की मेहनत, लगन और जुनून को देखकर दिल गदगद हो गया। ये बच्चे न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे नजीबाबाद का गौरव हैं। इनके सपने, इनका जोश और इनकी मेहनत हमें प्रेरणा देती है कि अगर ठान लो, तो कुछ भी असंभव नहीं। हमारा यह छोटा सा प्रयास इन बच्चों के हौसले को और बुलंद करने के लिए है, ताकि ये और ऊँचाइयों को छू सकें। वही चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी ने टॉपर्स को बधाई दें और इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। रिलायंस की ओर से प्रदीप कुमार, शिखा, तरण कुमार, कार्तिक और इमरान मंसूरी, फहीम अहमद शाकिब आदि मौजूद रहे।

## डॉ. केपी सिंह ने किया सीएचसी कोल्ड चैन का निरीक्षण

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷

बिजनौर से आई स्वास्थ्य विभाग की टीम जिसमें नवनियुक्त जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ के पी सिंह, यू.एन.डी.पी. से वी.सी.सी.एम., राजीव केसर द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्योहारा पर कोल्ड चैन रूम और वैक्सीन रखरखाव का निरीक्षण किया गया।

टीम ने उनके रखरखाव तथा एक्सपायरी डेट और स्टॉक रजिस्टर आदि की जांच की। साथ ही निर्देश दिए कि वैक्सीन की एक्सपायरी डेट पर विशेष ध्यान दिया जाए। कोई भी एक्सपायरी वैक्सीन बच्चों को न लगाई जाए। निरीक्षण के दौरान जिला प्रतिरक्षण अधिकारी बिजनौर डॉ के पी सिंह ने बताया कि इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य बच्चों के लिए उपलब्ध वैक्सीन की गुणवत्ता और कोल्ड चेन प्रबंधन को दुरुश्त करना था। जिससे स्वास्थ्य सेवाओं में और अधिक सुधार किया जा सके। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि कुछ छोटी मोटी खामियां पाई गई। जिनको तुरंत सुधार के निर्देश दिए गए। साथ ही स्वास्थ्य कर्मियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि वैक्सीन सही तापमान पर सुरक्षित रखी जाएं। उनके रिकॉर्ड सही ढंग से अपडेट किए जाएं। सभी रिपोर्ट प्रतिदिन पोर्टल पर अपडेट की जाए। टीकाकरण की रिपोर्ट भी उसी दिन यूं विन पोर्टल पर फीडिंग की जाए। इस दौरान आई, ओ, वीर सिंह, एआरओ, आलोक कुमार, हैल्थ सुपरवाइजर राजेश कुमार, डी ओ राशि,अनम, डॉ. राकेश कुमार, फार्मासिस्ट योगेश कुमार, हरीश कुमार ,प्रदीप रावत ए.एन.एम.? अनीता धीरेन्द्र सिंह प्रदीप कुमार, सुज्ञौदीन आदि मौजूद रहे।

# शैक्षिक संवर्धन गोष्टी व उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

शैक्षिक संवर्धन संगोष्ठी एवं उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राकेश चौधरी (ब्लॉक प्रमुख), विशिष्ट अतिथि शोभित त्यागी (वरिष्ठ भाजपा नेता), खंड शिक्षा अधिकारी शेर सिंह एव डायट प्रवक्ता मति मेघा शर्मा ने मां शारदे को पुष्प अर्पित कर किया।

कार्यक्रम में पूर्व एआरपी विनय कुमार, प्रदीप कुमार, डॉ. संतोष कुमार, शकील अहमद व अब्दुल्लाह सिद्दीकी को विदाई दी गई। वहीं नवनियुक्त एआरपी हेमराज सिंह आर्य, सुखबीर सिंह व अभिषेक भटनागर का स्वागत हुआ।

खंड शिक्षा अधिकारी ने शिक्षकों से शासनादेशों का ईमानदारी से पालन कर विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण वातावरण सृजित करने का आह्वान किया। नवोदय प्रवेश परीक्षा में सफलता हेतु सलोनी रानी (प्रा.वि. ककराला) व धीरज कुमार (प्रा.वि. खेड़ी जट्ट) को सम्मानित किया गया। सर्वाधिक नामांकन हेतु रामअवतार सिंह (उ.प्रा.वि. इब्राहिमपुर साधो), हेमराज सिंह (उ.प्रा.वि. पडला), रानी चौधरी (कं.वि. नारायणखेड़ी), अर्जुन सिंह (कं.वि. मुस्सैपुर पाली), सरताज परवीन (प्रा.वि. इब्राहिमपुर साधो), सोनिया शर्मा (प्रा.वि. बैरमाबाद द्वितीय) को सम्मानित किया गया। एनएमएमएस परीक्षा में सफल छात्रों के विद्यालयों में अल्लेदादपुर मुबारक से कृष्ण पाल, सुनपता से पारुल, सीकरी बुजुर्ग से मनीष त्यागी, खेतापुर से शूरवीर सिंह, हमीदपुर से जयवर्धन, जलालपुर आसरा से शशि रानी, मंडोरी से भूपेंद्र शर्मा, नारायणपुर से तिलका रानी तथा इब्राहिमपुर साधो के छात्र शामिल रहे।

इंस्पायर अवार्ड योजना अंतर्गत भी आफताब, मुकेश कुमार, आदेश कुमारी, मनोज, शोभांजलि, उषा रानी और संजीव त्यागी आदि शिक्षकों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में किसी भी समस्या को बाधा नहीं बनने देंगे। कार्यक्रम में समस्त शिक्षक संकुलों के साथ मुनीश कुमार, वीरेंद्र सिंह, सूरजमल, मौ नौशाद, सुधीर कुमार आदि का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन राज्यपाल शिक्षक पुरस्कार प्राप्त राम अवतार सिंह ने किया।

**उत्तर रेलवे**

**इ–निविदा (इ–प्रोक्यूर्मेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण**

निम्नलिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/III, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में इ–निविदा आमंत्रण।

| | | |
|---|---|---|
| 1 | कार्य का नाम | सहायक मंडल अभियंता/ नई दिल्ली के अंतर्गत वरिष्ठ खण्ड अभियंता/कार्य/ नई दिल्ली स्टेशन के अनुभाग में सर्विस बिल्डिंग, स्टेशन भवन नई दिल्ली और अन्य संरचना यानी एमएसआरआर, टीटीआरएच, सीपीडी सिक लाइन शेड, लोको शेड आदि की मरम्मत के लिए 30.06.2026 को समाप्त अवधि के लिए वार्षिक जोन कार्य। |
| 2 | कार्य की अनुमानित लागत (रुपये) | Rs. 98,99,180.34 (रुपये अट्ठानबे लाख निन्यानवे हजार एक सौ अस्सी और चौंतीस पैसे मात्र) |
| 3 | बयाना राशि (रुपये) | Rs. 1,98,000/- (रुपये एक लाख अट्ठानबे हजार मात्र) |
| 4 | निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये) | Rs. 0.00 |
| 5 | निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय | 13.06.2025 को 15:00 तक। |
| 6 | वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है | निविदा www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध। |
| 7 | आवंटन | 04–410–32 |

• ठेकेदारो को ई–टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट यानी www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। • सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेगी। • निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी। सं.: 128–W/280/इ–निविदा सूचना/05–2025–26/W-3 दिनांक : 19.05.2025 1472/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

## संपादकीय

### 'गद्दारी का साया: जब अपनों ने ही बेचा देश'

मुट्ठी भर मुगल और अंग्रेज देश पर सदियों राज नहीं करते यदि भारत में गद्दार प्रजाति न होती। यह वाक्य भारतीय इतिहास की एक कड़वी सच्चाई को उजागर करता है, जो बताता है कि बाहरी आक्रमणकारी सिर्फ अपनी ताकत के बल पर ही नहीं, बल्कि अंदरूनी विश्वासघात और स्वार्थ के चलते भी सफल हो पाए। यह कहानी केवल तलवार और तोप की नहीं है, बल्कि मानसिक गुलामी और आत्मसमर्पण की भी है।

भारत के इतिहास में कई ऐसे अवसर आए जब कुछ लोगों ने स्वार्थ, व्यक्तिगत लाभ या सत्ता की भूख के कारण देश के सामूहिक हितों को दरकिनार कर विदेशी ताकतों का साथ दिया। यह गद्दारी केवल सत्ता परिवर्तन का कारण नहीं बनी, बल्कि भारतीय संस्कृति, सभ्यता और आत्मसम्मान को भी गहरी चोट पहुंचाई। चाहे वह जयचंद का पृथ्वीराज चौहान के खिलाफ मोहम्मद गौरी का साथ देना हो, या मीर जाफर का प्लासी की लड़ाई में अंग्रेजों के पक्ष में खड़ा होना - इन सभी घटनाओं ने इतिहास की दिशा ही बदल दी। गुलामी की जड़ें: सत्ता की लालसा और निजी स्वार्थ इतिहास गवाह है कि जब भी बाहरी आक्रमणकारियों ने भारत पर नजर डाली।

उन्हें यहां सत्ता के भूखे सहयोगी मिल गए। ये सहयोगी केवल सत्ता की चाहत में नहीं, बल्कि व्यक्तिगत दुश्मनियों, जातिगत भेदभाव और आपसी ईर्ष्या के कारण भी गद्दारी की राह पर चल पड़े। यह स्वार्थ और निजी महत्वाकांक्षाएं ही थीं जिन्होंने साम्राज्यों को मजबूत होने से रोका और भारतीय एकता को खंडित कर दिया। मुगल आक्रमण और जयचंद का विश्वासघात पृथ्वीराज चौहान और मोहम्मद गौरी के संघर्ष की कहानी इस बात का जीवंत उदाहरण है। 1192 में तराइन की दूसरी लड़ाई में जयचंद ने अपने व्यक्तिगत स्वार्थों और सत्ता की लालसा में मोहम्मद गौरी का समर्थन किया। इस विश्वासघात ने केवल पृथ्वीराज की हार को सुनिश्चित नहीं किया, बल्कि पूरे उत्तर भारत को एक लंबे समय के लिए मुस्लिम आक्रमणकारियों के हवाले कर दिया। इसके बाद मुगलों का भारत में विस्तार शुरू हुआ। बाबर ने पानीपत की पहली लड़ाई (1526) में इब्राहिम लोदी को हराकर दिल्ली की सत्ता पर कब्जा कर लिया, और इसके बाद का इतिहास मुगलों के साम्राज्य की स्थापना का गवाह बना। अकबर, जहांगीर, शाहजहां और औरंगजेब जैसे शासकों ने इस साम्राज्य को और मजबूत किया, लेकिन इसके पीछे कई स्थानीय शासकों की गद्दारी और सहयोग भी था। राजपूतों से लेकर दक्षिण के कुछ राज्यों तक, कई बार स्वार्थ और निजी हितों ने साम्राज्य के विस्तार में मदद की।

मीर जाफर और प्लासी की लड़ाई 1764 में बंगाल में प्लासी की लड़ाई एक और ऐसा उदाहरण है जहां मीर जाफर ने सिराजुद्दौला के खिलाफ अंग्रेजों का साथ दिया। उसकी गद्दारी ने न केवल बंगाल की स्वतंत्रता को खत्म किया, बल्कि अंग्रेजी शासन की नींव भी रख दी, जिसने धीरे-धीरे पूरे भारत को अपने शिकंजे में ले लिया। मीर जाफर की गद्दारी सिर्फ एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि उस मानसिकता की प्रतीक थी जो अपने स्वार्थ के लिए देश को पराधीनता में झोंकने को तैयार थी। उसकी इस गद्दारी ने न केवल बंगाल की संपन्नता को छीन लिया, बल्कि पूरे भारत को गुलामी के काले दौर में ढकेल दिया। गद्दारी के और भी उदाहरण ऐसे ही एक और उदाहरण में नाना साहिब के सेनापति तांत्या टोपे को भी धोखा दिया गया था, जिसके कारण 1857 का स्वतंत्रता संग्राम असफल हो गया। ब्रिटिश अधिकारियों ने भारतीयों के बीच फूट डालकर अपनी पकड़ मजबूत की। चाहे झांसी की रानी लक्ष्मीबाई का किला हो या कुंवर सिंह की वीरता, हर जगह गद्दारी की छाया ने स्वतंत्रता के सपने को कुचलने में बड़ी भूमिका निभाई।

आधुनिक संदर्भ: भारत-पाकिस्तान संघर्ष में गद्दारी यह गद्दारी केवल इतिहास तक सीमित नहीं है। 1999 में कारगिल युद्ध के दौरान भी कुछ ऐसे मामले सामने आए जब गुप्त सूचनाएं दुश्मन को बेची गईं। पाकिस्तान को भारतीय सेना की गतिविधियों और मूवमेंट की जानकारी देने वाले कुछ गद्दारों ने हमारे सैनिकों की जान को खतरे में डाला। इसके अलावा, समय-समय पर भारतीय सुरक्षा बलों और सेना में घुसे कुछ ऐसे तत्व भी पकड़े गए हैं जो पैसे और निजी लाभ के लिए दुश्मन देशों के लिए जासूसी करते रहे हैं। यह केवल व्यक्तिगत लालच का मामला नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने की मानसिकता का हिस्सा है।

गद्दारी की आधुनिक परछाइयाँ आज भी, जब हम अपने आसपास देखते हैं, तो यह गद्दारी की परंपरा खत्म नहीं हुई है। सत्ता, धन और व्यक्तिगत लाभ के लिए कुछ लोग राष्ट्रीय हितों को ताक पर रख देते हैं। यह प्रवृत्ति केवल इतिहास तक सीमित नहीं, बल्कि आज के लोकतांत्रिक भारत में भी गहराई से जड़ें जमा चुकी है। राजनीतिक दल, बड़े उद्योगपति और कई बार मीडिया भी इसी स्वार्थ की राह पर चलते दिखते हैं। विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों की लूट, गरीबों के हक की अनदेखी, और राजनीतिक स्वार्थों के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता - ये सब आधुनिक गद्दारी के रूप हैं। आज भी कई बार राष्ट्रीय हितों की अनदेखी कर व्यक्तिगत या दलगत स्वार्थों को प्राथमिकता दी जाती है। क्या हमने सबक सीखा? इतिहास की इन कहानियों से हमें यह सीखने की जरूरत है कि जब भी देश के सामूहिक हितों की अनदेखी कर निजी स्वार्थों को तरजीह दी जाती है, तो न केवल एक व्यक्ति या क्षेत्र, बल्कि पूरी सभ्यता उसका खामियाजा भुगतती है।

आज आवश्यकता है कि हम इन भूलों से सबक लें और एकजुटता, देशप्रेम और आत्मसम्मान की भावना को फिर से जागृत करें। हमें यह याद रखना होगा कि गद्दारी केवल अतीत की बात नहीं, बल्कि एक वर्तमान चुनौती भी है, जिसे समझना और रोकना हमारी जिम्मेदारी है।

# चीन की हरकतें और उनका का सच

**प्रमोद भार्गव**

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर में अपने बोकस हथियारों का हश्र देखने के बाद बौखलाए चीन ने युद्धविराम से पहले अपनी आत्मतुष्टि के लिए अरुणाचल प्रदेश के 27 स्थलों को चीनी नाम दे दिए। इनमें रहवासी बश्तियों समेत नदियां और पहाड़ शामिल हैं। चीन अरुणाचल में ऐसी हरकतें पहले भी कर चुका है।

कुंठित तानाशाह अपनी विचलित मानसिकता को संतुष्ट करने के लिए अकसर ऐसी ही हरकतें करते हैं। चीन की यह कुंठा इसलिए जागृत हुई, क्योंकि भारतीय वायुसेना ने जब पाकिश्तान के आतंकी ठिकाने नेश्तनाबूद करने के लिए ब्रह्मोस और आकाश मिसाइलें दागीं तो चीन द्वारा पाकिश्तान को दी गईं प्रतिरक्षा प्रणाली खोखली साबित हुई। इससे चीन के घटिया हथियारों की पोल डिजिटल साक्ष्यों के साथ पूरी दुनिया के सामने सार्वजनिक हो गई। परिणामस्वरूप उसके आयुध बाजार को जबरदश्त झटका लग गया।

मिसाइल निर्माण करने वाली चीनी कंपनियों के शेयर जमीन पर आ गए। चीन की यह बचकानी हरकत है कि जब भी भारत कोई बड़ा काम करता है, तो चीन पूर्वोत्तर क्षेत्र के इस भारतीय प्रांत में ग्रामों, नगरों, नदियों और पहाड़ों के नाम चीनी भाषा मंदारिन में रख देता है और फिर बाकायदा आधिकारिक बयान अपनी सरकारी वेबसाइट 'ग्लोबल टाइम्स' पर कर देता है। चीन के प्रपंच की यह आदत आभासी या छद्म युद्ध छेडऩे जैसी बार-बार सामने आती रही है, लेकिन वह अपनी आदत से बाज नहीं आता है।

इस हरकत के सामने आने के बाद विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा है कि 'हमने देखा है कि चीन ने अरुणाचल के कुछ स्थलों के नाम बदलने का खोखला एवं निरर्थक काम किया है।

अपने पारंपरिक सैद्धांतिक नीति को जारी रखते हुए हम इस तरह की कोशिशों को सिरे से खारिज करते हैं। नाम बदलने की थोथी प्रक्रिया से जमीन पर हकीकत नहीं बदल जाती। अरुणाचल भारत का अभिन्न हिस्सा था, है और रहेगा। चीन ने ऐसी ही हरकत अरुणाचल प्रदेश में तब की थी जब 9 मार्च 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस प्रदेश की 13000 फीट की ऊंचाई पर निर्मित की गई सेला सुरंग का उद्घाटन करने पहुंचे थे।

तब अरुणाचल के 30 स्थानों को नए नाम देने की हरकत की थी। डोकलाम विवाद के बाद से ऐसी हरकतें लगातार सामने आती रही हैं। 2017 में जब दलाई लामा अरुणाचल पहुंचे थे, तब भी चीन ने नाम बदले थे। इन नामों की सूची चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स में भी प्रकाशित की जाती है। चीनी नागरिक मामलों का मंत्रालय इन सूचियों को अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर भी डालता है।

चीन अरुणाचल प्रदेश को जंगनान रहता है और इसे दक्षिण तिब्बत के हिस्से के रूप में इस राज्य पर अपना अनैतिक दावा जताता है। जबकि चीन भली-भांति जानता है कि नाम बदलने से कुछ हासिल होने वाला नहीं है। चीन ऐसी हरकत 2017, 2021, 2023, 2024 और अब 2025 में कर रहा है।

चीन ये नाम मंदारिन, तिब्बती या फिर पिनयिन भाषाओं में देता है। चीन जब भी भारत का अंतरराष्ट्रीय शतर पर रुतबा स्थापित हो रहा होता है, तब रुतबे को आहत करने की हीनभावना से यह हरकत करता है। भारत ने जब 9-10 सितंबर 2023 में जी-20 शिखर सम्मेलन नई दिल्ली में आयोजित किया था, तब इस सम्मेलन की एक बैठक अरुणाचल में भी संपन्न हुई थी। तब भी चीन ने अरुणाचल में खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे जैसी हरकत दिखाई थी। इस सम्मेलन में चीन शामिल नहीं हुआ था। चीन ने अरुणाचल क्षेत्र में अवैधानिक रूप से गांव बसाने के भी प्रयास किए हैं।

चीन अपने मानचित्रों में भी अरुणाचल को अपना बताने की कोशिश करता रहा है। चीन की ये सब हरकतें उसकी विश्तारवादी नीति की कुटिल एवं नापाक इच्छाएं दर्शाती हैं। वर्तमान

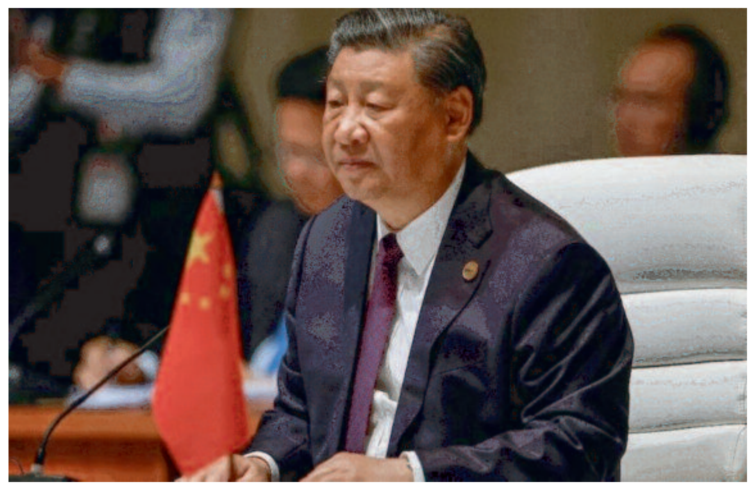

परिप्रेक्ष्य में देखें तो साफ है, कि पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिश्तानी आतंकवाद के विरुद्ध ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया तो चीन और तुर्किये खुले रूप में पाकिश्तान के साथ खड़े नजर आए थे। यही नहीं, चीन ने पाकिश्तान को वायु सुरक्षा प्रणाली और ड्रोण दिए थे।

लेकिन भारतीय मिसाइलों ने सुरक्षा प्रणाली को ध्वश्त कर दिया। पाकिश्तानी सेना ने ड्रोनों के माध्यम से जो मिसाइलें भारतीय क्षेत्र में दागी, उन्हें वायु सैनिकों द्वारा छोड़ी गई ब्रह्मोस और आकाश मिसाइलों ने आसमान में ही नाकाम कर दिया था। चीन की पाकिश्तान के पक्ष में सीधी उपस्थिति के चलते भारत ने चीन के सरकारी मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स और सरकारी एजेंसी शिन्हुआ के एक्स खाते भारत में बंद कर दिए हैं।

ग्लोबल टाइम्स ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कई मनगढ़ंत खबरें दीं और झूठे दावे भी किए थे। सरकार ने यह कदम ऐसे समय उठाया है, जब हाल ही में भारत सरकार ने पाकिश्तान के कई एक्स हैंडल के खिलाफ भी इसी तरह की कार्रवाई की है।

साथ ही भारत ने तुर्किये के साथ भी अनेक व्यापार समझौते तोड़ते हुए पर्यटकों के वहां जाने पर रोक लगा दी। चीन की हमेशा ही कुटिल निगाह वाश्तविक नियंत्रण रेखा को लांघने की भी रही है। चीन ने 15 जून 2020 को लद्दाख के पश्चिमी क्षेत्र गलवान घाटी में सीमा उल्लंघन का प्रयास किया था। जिसके चलते भारत और चीन की सेनाओं के बीच हिंसक झड़प हुई थी, जिसमें करीब 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे। चीन के भी बड़ी संख्या में सैनिक हताहत हुए थे।

लंबे समय तक सैन्य गतिरोध बने रहने के बाद चीन नियंत्रण रेखा से पीछे हटने को मजबूर हुआ था। यहां मार खाने के बावजूद चीन का अरुणाचल में हश्तक्षेप का प्रयास निरंतर बना हुआ है। 1962 के युद्ध के समय चीन ने भारत के पूर्वोत्तर हिस्से में अपने सैनिकों की सबसे बड़ी टुकड़ी तवांग के मार्ग से असम तक पहुंचाई थी। भारत, चीन की इस चालाकी से अच्छी तरह से परिचित है।

अतएव पिछले एक दशक में समूचे अरुणाचल प्रदेश में ढांचागत विकास को बहुत तेज किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस विकास को लगातार प्रोत्साहित कर रहे हैं। चीन के लिए यह विकास और भारत सरकार का दोटूक जवाब परेशानी का सबब बन रहा है। अरुणाचल प्रदेश से लगे सीमाई इलाकों में 63 सडक़ें भारत सरकार बना रही है।

इनमें से कई सडक़ें व पुल तैयार होने के साथ आवागमन के लिए भी खोल दिए गए हैं। नतीजतन भारतीय सैनिकों की सीमा तक पहुंच आसान हो गई है। सनद रहे कि 1962 में सडक़ें नहीं होने के कारण ही भारतीय सेना को बहुत नुकसान उठाना पड़ा था। चीन की घुसपैठ रोकने के लिए तवांग समेत अरुणाचल के अन्य सीमा क्षेत्र में भारत ने अपने सैनिकों की संख्या और हथियारों के जखीरे बढ़ा दिए हैं। इसलिए चीन जिस राश्ते से भी घुसने की कोशिश करता है, उसे सेना तत्काल माकूल जवाब दे देती है। हालांकि चीन की तरफ से भी अपने इलाके में लगातार सडक़ें, पुल और सैनिक अड्डे बनाए जा रहे हैं।

चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश के शिखर क्षेत्र त्सारी चू में गांव बसाने की कोशिश भी हुई थी। तिब्बत के दक्षिणी क्षेत्र जंगनान से जुड़ी नीति में भी कोई परिवर्तन नहीं किया है। चीन ने दृढ़तापूर्वक कहा है कि जंगनान क्षेत्र (जो कि भारत का अरुणाचल प्रदेश है), है, उसके साथ अरुणाचल प्रदेश के अश्तित्व को भी कोई मान्यता नहीं देता है।

मसलन संपूर्ण अरुणाचल को चीन विवादित क्षेत्र मानकर चल रहा है। कुछ साल पहले चीन ने अरुणाचल की वाश्तविक सीमा के करीब 4.5 किलोमीटर अंदर घुसकर 101 नए घर बनाकर पूरा एक गांव बसा लिया था। यह गांव अरुणाचल के सुबनसिरी जिले में था। इस गांव के बसाए जाने के रहस्य का खुलासा उपग्रह से ली गईं तस्वीरों से हुआ था। ये तस्वीरें 1 नवंबर 2020 की बताई गई थीं।

इनमें यह गांव स्पष्ट दिखाई दे रहा था, जबकि इस समय से एक साल पहले लिए गए उपग्रह चित्रों में यह गांव नहीं था। मसलन गांव इसी समय सीमा के भीतर बसाया गया। साफ है, चीन पड़ोसी देशों की संपत्ति हड़पने की हरकतों से बाज नहीं आ रहा है।

**(स्वतंत्र लेखक)**

# राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस: समूची मानवता का शत्रु है आतंकवाद

**योगेश कुमार गोयल**

जम्मू-कश्मीर दशकों से आतंक के खौफनाक साये में जी रहा है। बीते कुछ दशकों में आतंकियों ने देश के अन्य हिस्सों में भी कभी किसी भरे बाजार में तो कभी किसी बस या ट्रेन में आतंकियों ने निर्दोषों के लहू से होली खेली है। यह एक ऐसी विकराल समस्या है, जिसने न केवल हजारों लोगों की जान ली है बल्कि अनगिनत परिवारों को तबाह किया है।

बच्चे अनाथ हुए, माताएं-बेटियां विधवा हुईं और बुजुर्गों की जीवन-संध्या से सहारा छीन गया। आतंकवादी ऐसे नृशंस कृत्यों के जरिए लोगों के मन में भय भरते हैं, उनका उद्देश्य हिंसा, अस्थिरता और अव्यवस्था फैलाकर समाज को तोड़ना होता है।

इन विभीषिकाओं के खिलाफ देश ने जो संघर्ष किया है, उसी के सम्मान में हर साल 21 मई को 'राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस' मनाया जाता है। यह दिन आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष में शहीद हुए जवानों और नागरिकों को श्रद्धांजलि देने का अवसर है। इस दिन देशभर में लोगों को यह शपथ दिलाई जाती है कि वे हर प्रकार की हिंसा और आतंकवाद का विरोध करेंगे, शांति, अहिंसा और सहिष्णुता के सिद्धांतों में विश्वास रखेंगे और देश की एकता, अखंडता व सामाजिक सद्भाव की रक्षा करेंगे।

यह दिन इसलिए भी स्मरणीय है क्योंकि 21 मई 1991 को भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में एक महिला आत्मघाती हमलावर द्वारा हत्या कर दी गई थी।

यह हमला लिट्टे जैसे आतंकी संगठन की सोची-समझी साजिश का परिणाम था, जिसने केवल एक नेता की जान ही नहीं ली बल्कि भारतीय लोकतंत्र की जड़ों को हिला कर रख दिया था। उसी दिन की स्मृति में राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस की शुरुआत हुई ताकि देशवासियों को यह अहसास कराया जा सके कि आतंकवाद किसी व्यक्ति, धर्म या समुदाय का दुश्मन नहीं बल्कि समूची मानवता का शत्रु है।

हाल के वर्षों में भारत ने आतंकवाद के विरुद्ध जो नीति अपनाई है, वह पहले से कहीं अधिक कठोर, रणनीतिक और सशक्त हो चुकी है। विशेषकर जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों ने जिस बहादुरी से अभियान चलाए हैं, उन्होंने आतंकी नेटवर्क को बड़ा झटका दिया है। धारा 370 हटाए जाने के बाद घाटी में हालात में धीरे-धीरे सुधार आने लगा है। सैकड़ों आतंकी मुठभेड़ों में मारे गए हैं और सुरक्षाबलों ने सीमाओं पर घुसपैठ की अनेक कोशिशें विफल की हैं।

हालांकि पूरी तरह से आतंक का खात्मा अब भी शेष है। इसकी ताजा मिसाल 22 अप्रैल को अनंतनाग जिले के पहलगाम क्षेत्र में हुए आतंकी हमले में देखी जा सकती है। बैसरन घाटी में हुए इस हमले ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद की जड़ें अभी भी पाकिस्तान में मौजूद हैं और वहां से संचालित आतंकी संगठन भारत की शांति व्यवस्था को चुनौती देने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

इस हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की जान चली गई थी। यह हमला ऐसे समय में हुआ, जब घाटी में आतंकी घटनाओं में गिरावट दर्ज की जा रही थी, जो भारत की कूटनीतिक और सुरक्षा नीति की सफलता का संकेत थी।

इस नृशंस कृत्य के बाद भारत सरकार ने 'ऑपरेशन सिंदूर' नामक सैन्य अभियान चलाकर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में स्थित आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की। रिपोर्टों के अनुसार, इसमें लगभग 100 से अधिक आतंकियों को मार गिराया गया और उनके अनेक अड्डों को नष्ट किया गया। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि अब भारत केवल रक्षात्मक रवैया नहीं अपनाएगा बल्कि आतंक के स्रोत पर आक्रमण करेगा।

पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान पर चौतरफा दबाव बनाना शुरू किया और साथ ही सिंधु जल संधि को रद्द करने का भी बेहद निर्णायक फैसला लिया गया। यह समझौता 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ था, जिसके अंतर्गत भारत ने पाकिस्तान को सिंधु, झेलम और चेनाब नदियों का जल उपयोग करने का अधिकार दिया था।

अब यह विचार प्रबल हो गया है कि जब पाकिस्तान बार-बार आतंकियों को शरण देता है और भारत की नागरिक आबादी को निशाना बनाता है तो ऐसे में इस ऐतिहासिक संधि को बनाए रखने का कोई औचित्य नहीं रह जाता। भारत के सैन्य अभियानों ने न केवल प्रत्यक्ष रूप से आतंकियों को नुकसान पहुंचाया है बल्कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भी पाकिस्तान को अलग-थलग करने में सफलता प्राप्त की है।

फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) ने उसे ग्रे लिस्ट में डालकर उसकी अर्थव्यवस्था पर जबरदश्त दबाव बनाया है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक संस्थानों के सामने भारत ने बार-बार पाकिस्तान के दोहरे रवैये को उजागर किया है, जहां एक ओर वह शांति की बातें करता है, वहीं दूसरी ओर अपनी धरती पर आतंकियों को संरक्षण देता है।

घाटी में हो रहे सकारात्मक बदलावों की जड़ में सुरक्षा बलों की बहादुरी के साथ-साथ स्थानीय जनता की बदली मानसिकता भी है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अब घाटी में स्थानीय युवाओं की आतंकी संगठनों में भर्ती में काफी गिरावट आई है।

पहले जहां एक साल में दर्जनों युवाओं के लापता होने की खबरें आती थी, अब वह संख्या इक्का-दुक्का रह गई है। भारत की वर्तमान नीति 'आतंक के प्रति शून्य सहनशीलता' की है और इस नीति के हर पहलू में क्रियान्वयन दिख भी रहा है।

अब आतंकी हमलों का जवाब केवल बयानबाजी तक सीमित नहीं रहता बल्कि पाकिस्तान की सीमा में घुसकर उनके ठिकानों को नेश्तनाबूद किया जाता है। यह बदलाव केवल सैन्य शक्ति के उपयोग का नहीं बल्कि जन-मन के दृढ़ संकल्प का परिचायक है।

बहरहाल, बेशक आतंकवाद की कमर तोड़ी जा रही है लेकिन अब भी इसकी 'अंतिम परछाई' को मिटाना बाकी है। जब तक देश का कोई भी कोना आतंक से मुक्त नहीं होता, तब तक यह संघर्ष जारी रहना चाहिए। आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई केवल हथियारों से नहीं बल्कि समाज की एकजुटता, सूझबूझ और जागरूकता से ही जीती जा सकती है।

हर नागरिक को यह समझना होगा कि आतंकवाद केवल सीमाओं की समस्या नहीं बल्कि मानवता का साझा दुश्मन है। आज यह आवश्यक है कि हम राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस के मौके पर न केवल शपथ लें बल्कि उसे व्यवहार में भी उतारें।

हममें से हर व्यक्ति आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में सैनिक बने, चाहे वह सूचनाएं देकर सुरक्षा एजेंसियों की मदद करने की बात हो या बच्चों को कट्टरपंथ से दूर रखने की दिशा में पहल करने की। तभी हम एक ऐसे भारत की कल्पना कर सकेंगे, जहां शांति, सद्भाव, एकता और विकास के मूल्यों की बुनियाद पर भविष्य की इमारत खड़ी होगी।

**(लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)**

# आतंकवाद के खिलाफ एकता और भाजपा का पाखंड

**राजेंद्र शर्मा**

विदेश सेवा के अधिकारियों के मुकाबले, इन सांसदों/ राजनीतिक नेताओं का वजन विदेशी मोर्चे पर भी इसीलिए अधिक माना जा रहा है कि वे अपनी राजनीतिक पार्टियों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो भारतीय जनता की राय का प्रतिनिधित्व करती हैं। लेकिन, सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी की आंतरिक दिक्कतों का फायदा उठाने की कोशिश में, मोदी सरकार ने इन मिशनों के भेजे जाने के पूरे विचार में ही पलीता लगा दिया है।

मैं यह देखकर प्रसन्न हूं कि कई दक्षिणपंथी टिप्पणीकार कर्नल सोफिया कुरैशी की सराहना कर रहे हैं, लेकिन शायद उन्हें उतनी ही शिद्दत से यह मांग भी करनी चाहिए कि भीड़ हिंसा के शिकार, बिना कानूनी प्रक्रिया के मकानों पर बुलडोजर चलवाए जाने और भाजपा की नफरत की राजनीति के शिकार अन्य लोगों को भी, समान रूप से एक भारतीय नागरिक के रूप में न्याय और सुरक्षा दी जाए।'

'दो महिला अफसरों का प्रैस कान्फ्रेंस करना दीखने में एक महत्वपूर्ण दृश्य हो सकता है, लेकिन जब तक यह नजारा जमीनी श्तर पर ठोस बदलाव में तब्दील न हो, तब तक यह केवल एक 'दृश्य राजनीति' (ऑप्टिक्स) ही रहेगा—एक छलावा।'

अशोका विश्वविद्यालय के इतिहास तथा राजनीति विभाग के प्रोफेसर तथा राजनीति विभाग के विभागाध्यक्ष, प्रो. अली खान महमूदाबाद की ऑपरेशन सिंदूर से संबंधित अपेक्षाकृत लंबी फेसबुक पोस्ट की शायद यही पंक्तियां हैं, जिनके लिए न सिर्फ उनको हड़बड़ी में हरियाणा पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है, उन्हें अन्य अनेक धाराओं के अलावा राजद्रोह के दो-दो आरोपों में गिरफ्तार किया गया है। हजारों की संख्या में अकादमिकों और सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने प्रोफेसर अली खान की गिरफ्तारी को सरासर अनुचित तथा मनमानी बताते हुए, इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दमन बताने के साथ ही, जिस तरह कुछ विश्तार से उनकी टिप्पणी में कुछ भी, किसी भी नजर से आपत्तिजनक होने मात्र का खंडन किया है, उससे पूरी तरह से सहमत होने के चलते, हम यहां उसे दोहराना आवश्यक नहीं समझते हैं।

हम यहां सिर्फ इतना ध्यान दिलाना चाहेंगे कि प्रो. अली इस टिप्पणी में जिस छलावे या पाखंड से बचे जाने का ताकाजा कर रहे थे, उनकी गिरफ्तारी आतंकवाद के विरुद्ध राष्ट्र को एकजुट करने के इस चुनौतीपूर्ण समय में भी सत्ताधारी संघ-भाजपा के उसी पाखंड का सहारा लेने का, एक और सबूत पेश कर रही थी।प्रो. अली की गिरफ्तारी इस पाखंड को इसलिए और किसी उदाहरण से ज्यादा मुखरता से उजागर करती है कि ठीक इसी समय पर, मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री, कुंवर विजय शाह के मामले में, उसी संघ-भाजपा की सरकार, इससे ठीक उल्टा ही आचरण प्रदर्शित कर रही थी।

प्रो. अली के विपरीत, भाजपायी मंत्री के खिलाफ, किसी भी नजर से क्यों न देखा जाए, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सचेत रूप से भारतीय कार्रवाई का चेहरा बनायी गयी, कर्नल सोफिया कुरैशी के घनघोर अपमान का मामला बनता है। और शुद्घ सांप्रदायिक आधार पर यानी उनके मुसलमान होने के लिए ही, उनका ऐसा अपमान करने का मामला बनता है। इसके बावजूद, जैसा कि सभी जानते हैं भाजपायी मंत्री के खिलाफ, न तो भाजपा की मध्य प्रदेश सरकार ने कोई कार्रवाई करने की जरूरत समझी और न ही संघ-भाजपा परिवार ने।

यहां तक कि इस मामले पर चारों ओर शोर मचने के बाद, मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की जबलपुर बैंच ने स्वतः संज्ञान लेकर, मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के बहुत ही सख्त आदेश भी जारी कर दिए। इसके बाद मजबूरी में आखिरी घंटे पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज तो की लेकिन, इतनी लचर एफआईआर कि हाई कोर्ट की बैंच को अगले दिन फिर से सरकार को सिर्फ फटकार ही नहीं लगानी पड़ी, यह आदेश भी जारी करना पड़ा कि आगे अदालत इस मामले की निगरानी करेगी।

इसके बाद भी, भाजपायी राज्य सरकार ने साफ कर दिया है कि वह दोषी मंत्री की गिरफ्तारी नहीं करने जा रही है। और मध्य प्रदेश सरकार द्वारा विजय शाह की गिरफ्तारी की किसी भी संभावना से इंकार ठीक उस समय किया जा रहा था, जब उसी संघ-भाजपा की हरियाणा सरकार, प्रो. अली खान की दिल्ली से गिरफ्तारी की तैयारी कर रही थी। बेशक, पहलगाम में आतंकवादियों ने धर्म पूछकर हत्याएं की थीं। और जैसा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सरकार की ओर से एक पत्रकार वार्ता में, विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने रेखांकित भी किया था, इसके पीछे आतंकवादियों का मकसद देश में सांप्रदायिक विभाजन पैदा करना था।

उनका यह कहना भी बहुत हद तक सही था कि देश ने, आतंकवादियों के इन मंसूबों को विफल कर दिया था। पर बहुत हद तक ही। बेशक, आतंकवादियों की इस दरिंदगी के खिलाफ आम तौर पर पूरा देश एकजुट था। जम्मू-कश्मीर ने और देश के अल्पसंख्यकों ने खासतौर पर, इस दरिंदगी के लिए अपने नाम के इश्तेमाल को बलपूर्वक ठुकराया था। देश व जनता की इस व्यापक एकता की अभिव्यक्ति, सर्वदलीय बैठक के जरिए आतंकवाद और उसके प्रश्रयदाताओं के खिलाफ, पूरी तरह से एकजुट संदेश में भी हुई थी।

लेकिन, इसके समानांतर एक क्षीण किंतु सत्तातंत्र का संरक्षण प्राप्त होने से उग्र धारा, विभाजन पैदा करने की भी थी। यह धारा, आतंकवादियों की करतूतों के बहाने से खासतौर पर कश्मीरी मुसलमानों को और आम तौर पर मुस्लिम अल्पसंख्यकों को हमलों का निशाना बनाए जाने की थी।

जाहिर है कि भौतिक हमलों से कई गुना बड़ा था, वैचारिक-भावनात्मक हमलों का दायरा, और ये हमले सत्ता परिवार के आईटी सेल द्वारा संचालित ताने-बाने के जरिए किए जा रहे थे। बहरहाल, शासन की ओर से किसी रोक-टोक के अभाव में भौतिक हमलों का सिलसिला भी, आपरेशन सिंदूर के शुरू होने तक जारी ही था।

एसोसिएशन ऑफ प्रोटैक्शन ऑफ सिविल राइट्स (एपीसीआर) द्वारा 22 अप्रैल से 8 मई के बीच, देश के 20 राज्यों में 180 से ज्यादा सांप्रदायिक घटनाओं का जो विवरण एकत्रित किया गया है, उसके अनुसार इनमें 106 घटनाएं पहलगाम के आतंकवादी हमले से संबंधित थीं और इनकी चपेट में कम से कम 316 लोग आए थे। इनमें 39 हमले की, 19 तोड़-फोड़ की और 42 मुसलमानों को तंग किए जाने की घटनाएं थीं। यह दिखाता है कि जब देश को एकता की सबसे ज्यादा जरूरत थी।

उस घड़ी में भी सत्ताधारी संघ-भाजपा तथा उनके शासन द्वारा संरक्षित हिंदुत्ववादी ताकतें, जनता की एकता की ही जड़ों को खोखला करने में लगी हुई थीं और शासन की एकता की गुहारों को पाखंड में तब्दील करने में लगी हुई थीं।

आतंकवाद के विरुद्ध देश और देशवासियों की सहज-स्वाभाविक एकता के लिए, अपने विभाजनकारी व्यवहार से चुनौती खड़ी करने का मोदी सरकार का खेल 'आपरेशन सिंदूर' के नाम से पाकिश्तान के साथ चार दिन की सैन्य मुठभेड़ के बाद भी थमा नहीं है। बेशक, इस पूरे प्रकरण में भारत के विदेश नीति तंत्र का प्रदर्शन सत्यानाशी रहा है।

इसका सबसे प्रत्यक्ष सबूत तब मिल गया, जबकि इन झड़पों के बीच, पाकिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने, जिसमें अमेरिका के नेतृत्व में पश्चिमी जगत का ही बोलबाला है, एक अरब डालर से ज्यादा के ऋण के लिए मंजूरी दे दी। आईएमएफ के कुल 25 से ज्यादा सदस्यों के बोर्ड में, भारत के सिवा एक भी देश नहीं था, जो इस ऋण की मंजूरी के खिलाफ होता। यहां तक कि अंततः भारत ने भी इस आधार पर इस फैसले का विरोध करने की जगह, निर्णय से खुद को अलग रखने का ही राश्ता अपनाया, कि उसके मत का जितना वजन था, उसके आधार पर विरोध करने का विकल्प ही नहीं था। यहां भारत ही एक प्रकार से पूरी तरह से अलग-थलग नजर आया।

यह इसके ऊपर से था कि सैन्य टकराव के दौरान भी भारत, इसी तरह अलग-थलग नजर आया था। यह मोदी राज की ग्यारह साल की विदेश नीति का ही कुल हासिल है कि भारत ने चुनौती के इस समय में, खुद को दुनिया में अलग-थलग पाया है। यह विदेश नीति, स्वतंत्रता के बाद से भारत को जिन-जिन चीजों के लिए जाना गया था, उसकी कमजोर की पक्षधरता से लेकर जनतांत्रिकता, धर्मनिरपेक्षता तक की पहचान के पलटे जाने की ही विदेश नीति रही है, बहरहाल उस पर फिर कभी।

विदेशी मोर्चे की इन सच्चाइयों के सामने, सर्वदलीय बैठकों में प्रधानमंत्री की वाचाल अनुपस्थिति के बाद भी और संसद का विशेष सत्र बुलाने से भी इंकार कर के, मोदी सरकार के देश में राजनीतिक राय की एकता को यथासंभव मुश्किल बनाने के बाद भी, सरकार ने जब आतंकवाद के मुद्दे पर भारत का पक्ष रखने के लिए और इस मुद्दे पर पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए, करीब तीन दर्जन राजधानियों में, सात बहुपक्षीय राजनीतिक-कूटनीतिक मिशन भेजने का फैसला लिया, विपक्ष ने बिना किसी खास अगर-मगर के इसका समर्थन किया। लेकिन, मोदी राज के विभाजनप्रेमी मिजाज ने, इसे भी क्षुद्र राजनीतिक तिकड़म का मैदान बना लिया। पहले राजनीतिक पार्टियों से इस मिशन में शामिल करने के लिए प्रतिनिधियों से नाम मांगे गए। लेकिन, सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी, कांग्रेस ने जब मांगे गए चार नाम दिए, मोदी सरकार ने इन चार नामों में से एक को छोड़कर, सभी नामों को नामंजूर कर दिया और अपनी मर्जी के कांग्रेस नेताओं के नाम प्रतिनिधिमंडलों में जोड़ दिए।

इस तरह, इन प्रतिनिधिमंडलों के देश छोड़ने से पहले ही, सरकार ने खुद ही इसके दावों पर प्रश्न खड़े करा दिए कि इन मिशनों के जरिए, आतंकवाद और पाकिस्तान के मुद्दे पर पूरा भारत, एक स्वर से बोल रहा होगा। विपक्षी पार्टियों द्वारा भले ही इसे बहुत बड़ा मुद्दा न बनाया जा रहा हो, लेकिन इतना तय है कि अब सरकार द्वारा ही चुने गए प्रतिनिधि, अपनी पार्टियों से ज्यादा सरकार का ही प्रतिनिधित्व कर रहे होंगे और उसी हद तक देश की राजनीतिक राय की एकता का प्रतिनिधित्व करने में असमर्थ होंगे। शासक पार्टी की ओर से इस सिलसिले में और सबसे बढ़कर शशि थरूर के शामिल किए जाने के लिए, 'योग्यता' या 'उपयुक्तता' का जो तर्क उछाला गया है और भी बेढब है। इन प्रतिनिधिमंडलों में सबसे प्रमुखता से राजनीतिक नेताओं को जो शामिल किया जा रहा है, कम से कम विदेश सेवा के अधिकारियों के मुकाबले बेहतर भाषायी कौशल के लिए तो नहीं ही शामिल किया जा रहा है।

विदेश सेवा के अधिकारियों के मुकाबले, इन सांसदों/ राजनीतिक नेताओं का वजन विदेशी मोर्चे पर भी इसीलिए अधिक माना जा रहा है कि वे अपनी राजनीतिक पार्टियों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो भारतीय जनता की राय का प्रतिनिधित्व करती हैं। लेकिन, सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी की आंतरिक दिक्कतों का फायदा उठाने की कोशिश में, मोदी सरकार ने इन मिशनों के भेजे जाने के पूरे विचार में ही पलीता लगा दिया है।

सवा चतुराई यह है कि विपक्ष अगर ज्यादा विरोध करे तो क्षुद्र राजनीति के लिए राष्ट्रीय सर्वानुमति को तोड़ता नजर आए और अगर राष्ट्रीय सर्वानुमति का ख्याल कर चुप रह जाए, तो शासन को उसके फटे में टांग अड़ाने का मौका मिल जाए। इसलिए, बहुदलीय मिशनों का यह प्रयोग भी, जो कि मोदी राज के लिए बेशक नया है, लेकिन देश के लिए जाना-पहचाना है, प्रो. महमूदाबाद के शब्दों का प्रयोग करें तो, 'केवल एक 'दृश्य राजनीति' (ऑप्टिक्स) ही रहेगा—एक छलावा'।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। संपादक : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in ई-मेल: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com RNI-UPHIN/2009/30721

**संक्षिप्त समाचार**

## ट्राफिक दारोगा को बस ड्राइवर की धमकी

● बोला- मंत्री से कहकर ट्रांसफर करवा दूंगा

**कानपुर, एजेंसी।** नौबस्ता बाईपास चौराहे पर डबल डेकर बस के चालक ने चालान काटने पर ट्रैफिक दारोगा को तबादला कराने की धमकी दे डाली। बोला, मंत्री से कहकर ट्रांसफर करवा दूंगा। ट्रैफिक दारोगा और बस चालक के बीच कहासुनी का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रचलित हो रहा है। बस चालक चौराहे पर बस रोककर सवारियों को उतार रहा था।
ट्रैफिक दारोगा संजीव कुमार पाल रविवार सुबह नौबस्ता बाईपास चौराहे पर खड़े थे। इस बीच,

करीब छह बजे जयपुर–लखनऊ जाने वाली महावीर टूर एंड ट्रेवल्स के चालक ने बस को चौराहे पर रोक दिया और सवारियां उतारने लगा। इससे बाईपास की ओर से आने वाले वाहनों की कतार लग गई।
दारोगा संजीव कुमार पाल मौके पर पहुंचे और चालक से बस आगे बढ़ाने को कहा। बस चालक को यह बात नागवार गुजरी और दारोगा से भिड़ गया। इस पर दारोगा ने नो पार्किंग में 500 रुपये का चालान काट दिया। तिलमिलाए चालक और क्लीनर नीचे उतर आए। चालक ने किसी को मोबाइल निकालकर काल की और दारोगा से बोला– लो मंत्री से बात करो।
दारोगा के इनकार करने पर धमकाया कि अगर चालान किया तो मंत्री से बोलकर ट्रांसफर करवा दूंगा। दारोगा और बस चालक के बीच कहासुनी का करीब एक मिनट पांच सेकंड का वीडियो इंटरनेट पर प्रचलित हो गया। बाद में बस में बैठे एक युवक ने चालान की फोटो मांगी तो दारोगा ने फोटो दे दी। इसके बाद चालक बस लेकर वहां से चला गया।

## कानपुर में बर्ड फ्लू की दस्तक

### लागू होगा कोविड प्रोटोकॉल

**कानपुर, एजेंसी।** चिड़ियाघर में बर्ड फ्लू की पुष्टि के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम कोविड प्रोटोकाल लागू करने की तैयारी में है। चिड़ियाघर से एक किमी के दायरे में रहने वालों की जांच के लिए 11 सर्विलांस टीमें बनाई गई हैं। इसमें नौ रैपिड रिस्पांस टीम (आरआरटी) और दो सैंपलिंग टीमें हैं।
इसमें शामिल कर्मचारी खांसी, बुखार, जुकाम, सांस लेने में दिक्कत और आंख में लालिमा वाले

मरीजों के नमूने लेंगे। चिड़ियाघर के कर्मचारियों के नमूने जांच के लिए लखनऊ भेजे जा चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग के एसीएमओ और नोडल डा. राजेश्वर सिंह ने बताया कि चिड़ियाघर के एक किमी के दायरे में टीम की ओर से कोविड प्रोटोकाल करने की तैयारी चल रही है। इसमें आजादनगर, नवाबगंज, एचबीटीयू कैंपस और विकासनगर आदि क्षेत्र शामिल हैं। सर्विलांस टीम इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों पर नजर रख रही है। बर्ड फ्लू का लक्षण दिखते ही उनके नमूने जांच के लिए लिए जाएंगे।
उन्होंने कहा कि एवियन फ्लू के अभी तक मनुष्य में प्रवेश की रिपोर्ट नहीं मिली है। फिलहाल, चिड़ियाघर में कार्यरत कर्मचारियों की रिपोर्ट पर नजर बनाए हुए हैं।

**गोरखपुर जू में बर्ड फ्लू की जांच, दो हिस्सों में बटी जांच टीम ने**

# चिड़ियाघर के अंदर व बाहर से जुटाए 50 नमूने

**गोरखपुर, एजेंसी।** बर्ड फ्लू की सूचना मिलने के बाद केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण की ओर से गठित चिकित्सक व वैज्ञानिकों की टीम ने सोमवार को चिड़ियाघर के बाड़ों का निरीक्षण किया।

बब्बर शेर भरत, हिरन, और पक्षियों व उनके बाड़े में स्थित तालाब से नमूना संग्रहित किया। इसके अलावा एक टीम ने अगल-बगल स्थित वेटलैंड व अन्य स्थलों से पक्षियों के बीट जुटाए।

चिड़ियाघर प्रशासन के अनुसार टीम ने परिसर और बाहर से कुल 50 नमूना जुटाए। मंगलवार को जांच के लिए राष्ट्रीय उच्च पशु संस्थान, भोपाल भेजा जाएगा। वहीं परिसर के अंदर एक और कौआ मृत पाया गया। टीम ने कौआ का नमूना भी लिया है।

केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (सीजेडए) दिल्ली की ओर से बनाई गई चार सदस्यीय जांच कमेटी रविवार को देर शाम गोरखपुर आई थी। देरी होने की वजह से टीम चिड़ियाघर न जाकर अधिकारियों व कर्मचारियों से वन्यजीवों की मौत के बारे में सवाल-जवाब किए।

सोमवार को जांच कमेटी टीम में शामिल डिपार्टमेंट आफ एनिमल हसबेंडरी, दिल्ली के ज्वाइंट डायरेक्टर डा. विजय कुमार तेवतिया, राष्ट्रीय उच्च पशु रोग संस्थान भोपाल से वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. मनोज कुमार, आईवीआरआई बरेली से वाइल्ड लाइफ हेड डा. एम पावड़े

और सीनियर पैथोलॉजिस्ट डा. एम करिकलन दो हिस्सों में बट गई।। पहली टीम में भोपाल और आईवीआरआई के लोग शामिल थे। दूसरी टीम में दिल्ली और बरेली के लोग थे। भोपाल की टीम में शामिल सदस्यों ने चिड़ियाघर के बाहर के चारों तरफ पूरे दिन जानवरों और पक्षियों के बीट जुटाए। इसमें तारामंडल से सटे क्षेत्र भी शामिल रहे। दूसरी टीम चिड़ियाघर के अंदर वन्यजीवों, पक्षियों और उनके पीने व नहाने वाले तालाब से पानी का नमूना लिया।

वहीं, रैंडम जांच में बब्बर शेर भरत के दो नमूने लिए गए हैं। जांच टीम मंगलवार को भी चिड़ियाघर पहुंचेगी और सभी वन्यजीवों के स्वास्थ्य की जांच करेगी। इसके बाद कानपुर चिड़ियाघर पहुंचकर जांच करेगी। इसी तर्ज पर वहां के वन्यजीवों का भी नमूना लेगी। जांच टीम ने सबसे अधिक समय पक्षियों के बाड़े के पास बिताया।

### तीन नमूना निगेटिव आने पर चिड़ियाघर के खुलने की संभावना

बर्ड फ्लू मिलने के बाद से चिड़ियाघर बंद चल रहा है। उच्चाधिकारी द्वारा जारी पत्र के अनुसार 21 मई को इसे खोला जाना है। इसी बीच एक और नई जानकारी सामने आई है। चिड़ियाघर प्रशासन के अनुसार किसी भी चिड़ियाघर के वन्यजीवों में अगर संक्रमण मिलता है तो जांच के लिए भेजे जाने वाले नमूने की रिपोर्ट लगातार तीन बार निगेटिव आती है तो ही चिड़ियाघर को खोला जा सकता है। यहां तो अभी पहली रिपोर्ट ही नहीं आई है। उप निदेशक डॉ. योगेश प्रताप सिंह ने बताया कि बर्ड फ्लू मिलने के बाद चिड़ियाघर के 35 वन्यजीवों का नमूना लेकर जांच के लिए राष्ट्रीय उच्च पशु संस्थान, भोपाल भेजा गया है। इसके अलावा तीन मृत कौवों का भी नमूना भी भेजा गया है। उम्मीद है कि दो दिन में रिपोर्ट आ जाएगी। इसके अलावा, गठित जांच टीम ने 50 और नमूना संग्रहित किया है, जिसे मंगलवार को भोपाल भेजा जाएगा।

# वाराणसी में लाखों की ठगी का मास्टरमाइंड पकड़ा गया

**पुलिस ने 5 लाख बरामद किए**

**वाराणसी, एजेंसी।** साइबर थाना की पुलिस को इंवेस्टमेंट में लाभ दिलाने के नाम पर साइबर ठगी करने वाले गैंग के सरगना रोमिल वर्मा पुत्र सुरेश वर्मा (निवासी, ग्राम-हाजीपुर, पोस्ट-बसारा, थाना-महुली, सीतापुर) को गिरफ्तार करने में सफलता हाथ लगी है। साइबर थाने की पुलिस ने गिरफ्तार किये गये साइबर ठग के पास से पांच लाख, एक हजार, 350 रुपये के साथ ही एक चार पहिया वाहन (सोनेट) बरामद किया है।

यह जानकारी पत्रकारों से बातचीत में डीसीपी वरूणा जोन प्रमोद कुमार ने दी। बताया कि अंशिता जैन पत्नी क्षितिज जैन (निवासी, स्वास्तिक पैराडाइज बिल्डिंग, सिगरा) ने 24 अप्रैल-2025 को साइबर थाने पर आवेदन देकर बताया कि उनके साथ इंवेस्टमेंट में भारी लाभ दिलाने के नाम पर करीब एक करोड़ 93 लाख की ठगी उनके साथ कर ली गई है। पीड़िता के आवेदन को गंभीरता से लेते हुए साइबर थाने पर मुकदमा दर्ज कर इसकी जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल एवं डीसीपी क्राइम सरवणन टी के निर्देशन में इसका खुलासा करने के लिये अपर पुलिस उपायुक्त श्रुति श्रीवास्तव एवं सहायक पुलिस आयुक्त विजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया।

इसके बाद टीम ने लखनऊ में सूचनाओं के आधार पर अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी। काफी प्रयास के बाद शातिर साइबर अपराधी रोमिल वर्मा पुत्र सुरेश वर्मा को साइबर टीम ने लखनऊ के गुडम्बा क्षेत्र से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार बदमाश के पास से पुलिस ने पांच लाख से अधिक नगदी एवं एक चार पहिया वाहन भी बरामद किया है। बताया कि बदमाश को गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक विजय नारायण मिश्र, निरीक्षक राजकिशोर पांडेय, विपिन कुमार, उप निरीक्षक संजीव कन्नौजिया, सतीश सिंह समेत साइबर टीम में शामिल अन्य सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा है।

## बीएचयू में प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने सुरक्षाकर्मियों और पुलिस पर किया पथराव, सुरक्षाकर्मियों का सिर फटा और आंख में आई चोटें

**वाराणसी, एजेंसी।** काशी हिंदू विश्वविद्यालय के सहायक सुरक्षाधिकारी राकेश गुप्ता की तहरीर पर सोमवार को लंका थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। बीएचयू के सुरक्षा नियंत्रण कक्ष को सूचना मिलने पर वहां तैनात सुरक्षाकर्मी बिरला अ छात्रावास पहुंचे। जहां घटना की स्थिति को देखकर संबंधित वार्डेन ने लंका पुलिस और पुलिस चौकी प्रभारी बीएचयू को सूचित किया।

मौके पर हॉस्टल के छात्र काफी उग्र थे और एवं गाली गलौज करते हुए सुरक्षाकर्मियों पर ईंट पत्थर से जानलेवा हमला कर दिए। हमले में सुरक्षाकर्मी बिन्द कुमार यादव का सिर फट गया और बाईं आंख में चोट आई है। क्षेत्रीय नेत्र संस्थान के विशेषज्ञों की निगरानी में उपचार चल रहा है। उसकी सर्जरी की जाएगी। सुरक्षा सुपरवाइजर सच्चिदानन्द राय के दाहिने पैर और सुरक्षाकर्मी सुशील कुमार राय के बाएं पैर का घुटना चोटिल हो गया है। आरोप है कि बिन्द कुमार यादव की बाईं आंख की रोशनी चली गई है। हमले में घायल सभी सुरक्षाकर्मियों का इलाज ट्रामा सेंटर में हो रहा है। छात्रों को पुलिसकर्मी भी काफी समझाने की कोशिश किए लेकिन छात्रों ने उन पर भी पथराव कर दिया।

## पेड़ पर लटकता मिला युवक का शव, अगले महीने होने वाली थी शादी

**हत्या की आशंका**

**खजनी, एजेंसी।** डोडो गांव में सोमवार की सुबह उस समय मातम पसर गया, जब घर में शादी की तैयारियों के बीच बेटे श्याम गौड़ का शव गांव के बाहर कटहल के पेड़ से लटकता मिला। छह जून को उसकी शादी होनी थी। परिजनों ने इसे आत्महत्या मानने से इनकार करते हुए हत्या की आशंका जताई है।

श्याम गौड़ (25) अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था, उसके अलावा तीन बहनें हैं। हाल ही में वह गुजरात से लौटने के बाद वह शादी की तैयारी में जुटा था। बेलघाट थाना क्षेत्र के गांव में उसका विवाह तय था। परिजनों के अनुसार, श्याम खुशमिजाज और जिम्मेदार स्वभाव का था, आत्महत्या जैसी कोई बात उनके गले नहीं उतर रही। सोमवार सुबह गांव के लोगों ने बगीचे में कटहल के पेड़ से शव को लटकता देखा। परिजनों का कहना है कि हत्या करने के बाद आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की गई है।

घटना के बाद पिता रामदयाल, जो बढ़ई का काम करते हैं, बार-बार बेहोश हो रहे थे। मां और बहनों का रो-रोकर बुरा हाल है। खजनी थाना प्रभारी अर्चना सिंह ने बताया कि मामला संदिग्ध है। घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच चल रही है, जल्द ही स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।

गांव में घटना को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। कोई इसे प्रेम प्रसंग से जोड़ रहा है तो कोई पुरानी रंजिश की बात कर रहा है।

**आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर हादसा**

## आजमगढ़ से दिल्ली जा रही बस खड़े ट्रक से टकराई, 21 लोग हुए घायल

**मैनपुरी, एजेंसी।** आजमगढ़ से सवारियां लेकर दिल्ली जा रही प्राइवेट बस मंगलवार सुबह चालक को झपकी आने के कारण आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। हादसे में बस कंडक्टर सहित 21 सवारियां घायल हो गईं। हादसे की जानकारी पाकर पहुंची कुर्रा पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को मेडिकल कालेज सैफई भिजवाया। पुलिस द्वारा क्रेन की मदद से दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर आवागमन सुचारू कराया गया।

आजमगढ जिले से एक प्राइवेट बस मंगलवार सुबह सवारियां लेकर दिल्ली के कश्मीरी गेट जा रही थी। जब बस सुबह पांच बजे के करीब कुर्रा क्षेत्र में माइल स्टोन 99 के पास पहुंची। तभी अचानक चालक को झपकी आने के कारण बस अनियंत्रित होकर वहां खड़े ट्रक में पीछे से टकरा गई। हादसे में बस कंडक्टर विपिन कुमार निवासी गांव रामनगर किशनी गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके अलावा बस में सवार 20 सवारियां भी चोटिल हो गईं। घटना की सूचना मिलते ही कुर्रा प्रभारी निरीक्षक अरविंद सिंह पुलिसबल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायलो को एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज सैफई में भर्ती कराया। इस दौरान बस चालक संजय कुमार निवासी गांव मुसरिया मथुरा ने पुलिस को बताया कि झपकी आने के कारण हादसा हुआ है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त हुई बस को मार्ग से हटवाने के बाद आवागमन सुचारू करा दिया।

कुर्रा प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि सिर्फ कंडक्टर गंभीर रूप से घायल हुआ है, बाकी अन्य यात्रियों को मामूली चोट आई हैं। इलाज के बाद यात्रियों को उनके गंतव्य के लिए रवाना कर दिया जाएगा।

**गोविंदपुरी स्टेशन से चलेंगी 100 ट्रेनें**

# कानपुर सेंट्रल का घटेगा लोड, 22 मई को पीएम मोदी करेंगे लोकार्पण

**कानपुर, एजेंसी।** आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित गोविंदपुरी स्टेशन तैयार है। 22 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअली इसका लोकार्पण करेंगे। अब अगले साल तक यहां से 100 ट्रेनें चलेंगी। वर्तमान में 60 ट्रेनों की आवाजाही हो रही है। इनमें 12 ट्रेनें सेंट्रल स्टेशन के बजाय सीधे प्रयागराज जा रही हैं।

अब ये संख्या और बढ़ेगी, जबकि कई ट्रेनों का ठहराव भी यहां बढ़ाया जाएगा। इससे दिल्ली-हावड़ा रेलमार्ग की ट्रेनों को रफ्तार मिलेगी। सेंट्रल स्टेशन का लोड घटेगा। दक्षिण क्षेत्र के दर्जनों मुहल्लों की लाखों आबादी को इसका लाभ मिलेगा। सोमवार को अपर मंडल रेल प्रबंधक ने गोविंदपुरी स्टेशन का जायजा लिया।

गोविंदपुरी रेलवे स्टेशन के लोकार्पण समारोह के लिए एक हजार से अधिक लोगों के लिए व्यवस्थाएं की जा रही हैं। सोमवार को अपर मंडल रेल प्रबंधक इंफ्रा नवीन प्रकाश ने पुनर्विकास के हुए कार्यों को देखा।

उन्होंने सेंट्रल स्टेशन के निदेशक आशुतोष सिंह समेत संबंधित अफसरों से कहा कि बुधवार शाम तक तैयारी पूरी कर लें। स्टेशन पर पेंट का काम सोमवार को पूरा किया गया। सुंदरता बढ़ाने के लिए पूरे स्टेशन परिसर में जगह-जगह पौधे व फूल लगे गमले रखे गए हैं। सफाई के लिए कर्मचारियों की टीम बनाई गई है, जिससे कार्यक्रम तक स्टेशन चमचमा उठे। समारोह के साथ ही सजीव प्रसारण देखने की व्यवस्था भी वीडियो वाल के माध्यम से रहेगी।

गोविंदपुरी को अमृत भारत स्टेशन के रूप में चयनित करके काम कराए गए हैं। योजना के तहत पुनर्विकसित 103 स्टेशनों के पीएम मोदी के हाथों वर्चुअल लोकार्पण के लिए इसे भी शामिल किया गया है। गोविंदपुरी स्टेशन परिसर में स्थानीय समारोह होगा। टेंट व पंडाल बनाने का काम शुरू हो गया है। सेंट्रल के बाद यात्री सुविधाओं वाला गोविंदपुरी दूसरा स्टेशन व उत्तर मध्य रेलवे का महिला स्टेशन होगा।

गोविंदपुरी में स्वचलित सीढ़ियां सोमवार तक नहीं लग सकी हैं। इसलिए वहां इंटरलाकिंग का काम कराया गया है। लोकार्पण कार्यक्रम के बाद इन्हें लगाया जाएगा। सबसे चौड़े पैदल पुल को एक तरफ से खोल दिया गया है।

पुरी-नई दिल्ली पुरुषोत्तम एक्सप्रेस रात 10~05 बजे आकर पांच मिनट बाद जाएगी।

# सूफी अंबा प्रसाद के छापाखाना पर चस्पा किया फर्जी नोटिस, नगर निगम ने दी पुलिस को तहरीर

**मुरादाबाद, एजेंसी।** स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व.सूफी अंबा प्रसाद के छापाखाना पर एक लाख रुपये बकाए में गृहकर का चस्पा नोटिस को लेकर मुद्दा छाया हुआ है। कानून गोयान में स्थित इस छापाखाना के दरवाजे पर चस्पा नोटिस नगर निगम की पड़ताल में फर्जी माना जा रहा है। इस पर किसी अधिकारी के हस्ताक्षर व नोटिस जारी करने का दिनांक भी नहीं है।

चस्पा नोटिस का प्रारूप भी नगर निगम द्वारा जारी किए जाने वाले नोटिस से भिन्न है। भटनागर महासभा के अनुसार छापाखाना के हैंडिल पर लाल कपड़ा भी बांधा गया था जो अगले दिन जमीन पर गिरा मिला था। जबकि नगर निगम लाक की सील लगाकर उसे लिखा पढ़ी में लेता है। क्षेत्र की गृहकर राजस्व निरीक्षक प्रतिभा चौहान की ओर से भी कोई

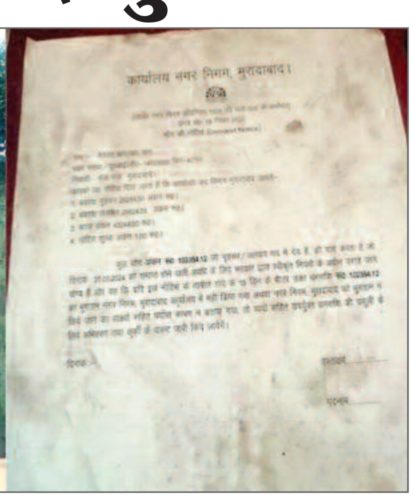

नोटिस चस्पा नहीं कराया गया है।

नोटिस पर वर्ष 2023-24 का बकाया 102354.12 रुपये लिखा है जबकि नगर निगम की ओर से नोटिस 2025 तक के बांटे जाने हैं। जिनके डिमांड नोटिस तैयार हो रहे हैं। लेकिन, अभी बांटे भी नहीं गए हैं। नगर निगम अधिकारी इसे शरारती तत्वों की हरकत मान रहे हैं। जिसको लेकर नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल के निर्देश पर कर निर्धारण अधिकारी प्रमोद कुमार की ओर से कोतवाली में तहरीर दी गई है।

शरारती तत्व कौन हैं? यह नगर निगम अधिकारियों की समझ से बाहर है। भटनागर महासभा के पदाधिकारी करीब दस दिन से इस नोटिस को छापाखाना के दरवाजे पर चस्पा हुए देख रहे हैं।

## प्रदेश के स्कूलों में गर्मी की छुट्टी घोषित, शिक्षा निदेशालय की ओर से निर्देश जारी

**लखनऊ, एजेंसी।** परिषदीय विद्यालयों में गर्मी की छुट्टी के साथ समर कैंप की तैयारी है। 21 मई से 10 जून तक समर कैंप को बच्चों के लिए रोचक और यादगार बनाया जाएगा। सुबह सात बजे से 10 बजे तक कैंप में बच्चों को योग, इनडोर खेल, क्राफ्ट, आनंददायक शिक्षण गतिविधियां और रचनात्मक कार्यों से जोड़ा जाएगा। शिक्षा विभाग की मंशा है कि यह समर कैंप सिर्फ नाममात्र का न रह जाए, बल्कि बच्चों के लिए एक ऐसा अनुभव बन जाए जिसे वे लंबे समय तक याद रखें। सोमवार को शिक्षा निदेशालय की ओर से ऑनलाइन बैठक में सभी बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, खंड शिक्षा अधिकारी और जिला समन्वयकों को इसे लेकर दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में अपर राज्य परियोजना निदेशक एकता सिंह ने कहा कि यह कैंप पूरी तरह स्वैच्छिक (वालंटरी) होगा, इसलिए बच्चों को इसमें शामिल करने से पहले अभिभावकों की सहमति जरूरी होगी। अधिकारी इसे केवल औपचारिकता न मानें, बल्कि इसे बच्चों के लिए ज्ञान, आनंद और रचनात्मकता से भरा अनुभव बनाएं। शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे समर कैंप की सतत निगरानी करें। खंड शिक्षा अधिकारियों को प्रतिदिन पांच से दस स्कूलों का निरीक्षण करने और स्थल पर समस्याओं का समाधान करने का कार्य सौंपा गया है।

## IPL 2025 का 63वां मैच फाइनल से नहीं होगा कम

# दिल्ली-मुंबई के बीच महामुकाबला आज

**नई दिल्ली, एजेंसी।** इंडियन प्रीमियर लीग(आईपीएल) 2025 का 63वां मैच किसी फाइनल से कम नहीं होने वाला है। इस मैच का परिणाम तय करेगा कि कौन सी टीम प्लेऑफ की रेस में आगे जाएगी। दरअसल, आईपीएल 2025 में आरसीबी, गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स पहले ही प्लेऑफ की रेस पार कर चुकी हैं।

चौथी टीम कौन सी होगी, इसका फैसला अभी तक नहीं हो पाया है। चौथी टीम बनने के लिए बुधवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच महामुकाबला होना है। इस मैच में अगर दिल्ली कैपिटल्स मुंबई को घर पर हरा देती है, तो उसकी उम्मीद प्लेऑफ में जाने की बरकरार रहेगी। लेकिन, अगर मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स पर जीत हासिल की, तो दिल्ली कैपिटल्स का प्लेऑफ में जाने का सपना टूट जाएगा। आईपीएल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स ने 12 मैचों में 6 जीत के साथ 13 अंक अर्जित किए हैं। उसे प्लेऑफ में जाने के लिए बाकी दोनों मैचों में जीत हासिल करनी होगी। वहीं, मुंबई इंडियंस के पास 12 मैचों में 14 अंक हैं।

अगर मुंबई दिल्ली के सामने मैच हार भी जाती है, तो उसके पास 16 अंकों तक पहुंचने के लिए एक और मौका होगा। लेकिन, दिल्ली को हर हाल में मुंबई के सामने जीत चाहिए होगी। दिल्ली जहां मुंबई के सामने हर हाल में जीत सुनिश्चित करना चाहेगी, वहीं मुंबई अपने बाकी दोनों मैचों को जीतकर अच्छे नेट रन रेट की मदद से टूर्नामेंट में खुद को टॉप-2 में खत्म करना चाहेगी।

आईपीएल में इस सीजन में लखनऊ सुपर जायंट्स, सनराइजर्स हैदराबाद, कोलकाता नाइट राइडर्स, राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी हैं। गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स प्लेऑफ में जाने वाली पहली तीन टीम बनी हैं। बता दें कि मुंबई इंडियंस के लिए पूर्व कप्तान रोहित शर्मा, कप्तान हार्दिक पांड्या और सूर्यकुमार यादव पर मुंबई फैंस की नजर रहने वाली है। क्योंकि, इन तीनों खिलाड़ियों पर मुंबई इंडियंस की टीम काफी हद तक निर्भर रहती है।

सूर्यकुमार यादव का रिकॉर्ड भी वानखेड़े में काफी अच्छा है। वानखेड़े में एक हाई स्कोरिंग मैच की उम्मीद की जा रही है। दिल्ली कैपिटल्स के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल, कप्तान अक्षर पटेल और कुलदीप यादव के प्रदर्शन पर दिल्ली के फैंस की उम्मीदें होंगी।

## पंत पर चोपड़ा का बड़ा बयान, टी20 टीम में जगह बनाने के लिए गंवा दिया महत्वपूर्ण अवसर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि ऋषभ पंत को टी20 क्रिकेट में अपने दृष्टिकोण का पुनर्मूल्यांकन करने की आवश्यकता है क्योंकि उन्होंने आईपीएल के दुःस्वप्न सत्र में भारत के टी20 सेट-अप में जगह बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर गंवा दिया। भारत की टी20 टीम में नियमित रूप से शामिल नहीं होने वाले पंत से इस सत्र में अपनी छाप छोड़ने की उम्मीद थी। हालांकि लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ने 27 करोड़ रुपए की भारी भरकम कीमत में खरीदे जाने के बाद 12 मैचों में केवल 135 रन बनाए। एलएसजी सोमवार रात सनराइजर्स हैदराबाद से हार के बाद प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई। चोपड़ा ने कहा, सफलता आपको कुछ चीजें सिखा सकती है। हालांकि असफलताएं वास्तव में आपकी मानसिकता को बदल देती हैं और अक्सर अच्छे के लिए। वह भारतीय टी20 टीम में नियमित नहीं है, इसलिए यह सीजन महत्वपूर्ण था। अपनी छाप छोड़ने और एक मजबूत इकाई बनाने का मौका। यह उस तरह नहीं हुआ। उनका खुद का फॉर्म असंगत रहा है, अपने आप में एक और सबक। पूर्व क्रिकेटर ने कहा, क्या वह टी20 में इसी दृष्टिकोण पर टिके रहते हैं या अनुकूलन करते हैं? जब आप खराब दौर से गुजरते हैं, तो ऐसा लगता है कि कुछ भी काम नहीं करता। रातें लंबी लगती हैं, दिन और भी लंबे। तब आप सीखते हैं और वापसी करते हैं। यह एक बुरा सपना रहा है। बुरे सपनों के बारे में अच्छी बात यह है कि आप अंततः जाग जाते हैं।

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज वरुण आरोन ने चोपड़ा के विचार को दोहराते हुए कहा कि पंत अनिश्चित दिखे और उन्हें फॉर्म हासिल करने के लिए अपने दृष्टिकोण पर फिर से विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा, एलएसजी उन पर निर्भर थी, खासकर मध्य क्रम में। मार्श को छोड़कर, कोई भी वास्तव में रन नहीं बना सका। पंत शुरू से ही अनिश्चित दिखे और इस सीजन में कभी भी वास्तव में नहीं चल पाए। यह खिलाड़ी के खराब फॉर्म का संकेत है।

## दिग्वेश-अभिषेक पर गिरी गाज, एक पर बैन तो दूसरे पर भारी जुर्माना, चलते मैच में हाथापाई करने चले थे

**नई दिल्ली, एजेंसी।** लखनऊ सुपर जायंट्स के स्पिनर दिग्वेश राठी और सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को सोमवार को आईपीएल 2025 के मैच के दौरान हुई तीखी नोकझोंक के लिए सजा मिली है। दोनों खिलाड़ियों के बीच नोकझोंक इस कदर बढ़ गई थी कि हाथापाई तक पहुंच गए थे। लेकिन साथी खिलाड़ी बीच बचाव में आ गए और स्थिति संभल गई। आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए दिग्वेश पर मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। यह इस सीजन में अनुच्छेद 2.5 के तहत स्स्त्र स्पिनर का तीसरा लेवल 1 अपराध था और इसलिए उनके दो डिमिट पॉइंट मिले जिसके परिणामस्वरूप उन पर एक मैच का बैन लग गया।

लखनऊ सुपर जायंट्स (स्स्त्र) के गेंदबाज दिग्वेश सिंह पर सोमवार को एकाना क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपनी टीम के मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। यह इस सीजन में अनुच्छेद 2.5 के तहत उनका तीसरा लेवल 1 अपराध था और इसलिए उन्हें दो डिमेरिट अंक मिले हैं, इसके अलावा उन्होंने पहले तीन डिमेरिट अंक जमा किए थे 01 अप्रैल 2025 को पंजाब किंग्स के खिलाफ एक डिमेरिट अंक और 04 अप्रैल 2025 को मुंबई इंडियंस के खिलाफ दो डिमेरिट अंक। चूंकि अब उनके पास इस सीजन में पांच डिमेरिट अंक हैं जिसके परिणामस्वरूप एक गेम का निलंबन बनता है, दिग्वेश अब स्स्त्र के 22 मई 2025 को अहमदाबाद में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ होने वाले मैच के लिए निलंबित रहेंगे। इस बीच, एसआरएच के बल्लेबाज पर मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और एक डिमेरिट अंक दिया गया है, बयान में कहा गया, सनराइजर्स हैदराबाद के ऑलराउंडर अभिषेक शर्मा पर लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अपनी टीम के मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

## गुजरात - दीव के घोघला ब्लू फ्लैग बीच पर बीच गेम्स 2025 का हुआ शुभारंभ

**दीव, एजेंसी।** केंद्र शासित प्रदेश दादर एवं नागर हवेली और दमन एवं दीव में दीव के खूबसूरत घोघला ब्ल्यू फ्लैग बीच पर सोमवार को राष्ट्रीय बीच गेम्स 2025 का भव्य शुभारंभ हुआ। इस आयोजन में देशभर से 1,000 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जो विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। समुद्र तट की प्राकृतिक सुंदरता और उत्साहपूर्ण माहौल के बीच शुरू हुए इस समारोह में केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया और दीव-दमन के प्रशासक प्रफुल्ल पटेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। क

ई राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी भी इस अवसर पर मौजूद थे, जिन्होंने आयोजन को और गौरवशाली बनाया। इस बीच गेम्स में कबड्डी, रस्साकशी, बीच वॉलीबॉल, बीच फुटबॉल, बीच बॉक्सिंग सहित कई रोमांचक खेलों का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन का उद्देश्य देश में बीच स्पोर्ट्स को बढ़ावा देना और युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित

करना है। मनसुख मांडविया ने कहा, बीच गेम्स न केवल खेलों को बढ़ावा देने का एक मंच है, बल्कि यह देश के तटीय क्षेत्रों की सुंदरता को भी दुनिया के सामने लाता है। दीव जैसे खूबसूरत स्थान पर इस तरह के आयोजन से पर्यटन और खेल दोनों को बढ़ावा मिलेगा।

केंद्रीय खेल मंत्री ने आईएएनएस से बात करते हुए अरब सागर के तट पर दीव में आयोजित खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025 के शुभारंभ पर उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि इस आयोजन में देश भर से 1,350 से अधिक एथलीट विभिन्न खेल विधाओं में भाग ले रहे हैं। यह दूसरा अवसर है जब खेलो इंडिया बीच गेम्स का आयोजन किया जा रहा है और दीव को इसके लिए एक आदर्श गंतव्य बताया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता के तहत दीव को भविष्य में भी बीच गेम्स के आयोजन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इसका उद्देश्य दीव को न केवल एक पर्यटन स्थल, बल्कि स्पोर्ट्स टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करना है। अगले छह दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में भाग लेने वाले सभी एथलीटों को शुभकामनाएं। यह नया भारत केवल सपने नहीं दिखाता, बल्कि उन सपनों को साकार करने का अवसर भी प्रदान करता है। खेलो इंडिया बीच गेम्स जैसे आयोजन देश के युवा एथलीटों को अपनी प्रतिभा को दिखाने, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने और भारत का नाम रोशन करने का मंच प्रदान करते हैं।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर जोगिंदर शर्मा ने दीव में आयोजित खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025 के दौरान युवाओं के उत्साह की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि युवाओं का यह जोश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप है, जो युवाओं को कड़ी मेहनत के साथ अंतर्राष्ट्रीय मंच पर देश का झंडा बुलंद करने के लिए प्रेरित करता है। हमारे युवाओं को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का झंडा ऊंचा करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए।

## यूएई ने रिकॉर्ड 206 रन चेज करके बांग्लादेश को हराया

- **मोहम्मद वसीम ने 42 गेंदों पर 82 रन बनााए; सीरीज 1-1 की बराबरी पर**

**यूएई, एजेंसी।** यूएई ने बांग्लादेश के खिलाफ शारजाह में खेले गए टी-20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में 2 विकेट से जीत हासिल की। इसके साथ ही तीन टी-20 मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी भी कर ली है। पहला टी-20 मैच बांग्लादेश ने 27 रन से जीता था। यूएई की यह बांग्लादेश के खिलाफ टी-20 में पहली जीत है। इस जीत के लिए यूएई ने 206 रन का बड़ा टारगेट चेज किया। टी×20 में यह यूएई का सबसे बड़ा रनचेज है।

यूएई ने टॉस जीतकर चुनी थी गेंदबाजी यूएई के कप्तान मुहम्मद वसीम ने बांग्लादेश के खिलाफ टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। बांग्लादेश ने पहले बैटिंग करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट पर 205 रन बना डाले। बांग्लादेश की शुरुआत काफी बेहतरीन रही। पहले विकेट के लिए ओपनर तजिंद हसन और लिटन दास के बीच 55 गेंदों पर 90 रन की साझेदारी हुई। साबिर खान ने तंजिद हसन को आउट का पार्टनरशिप तोड़ी। बांग्लादेश के लिए सबसे ज्यादा तंजिद हसन ने 33 गेंदों पर 59 रन बनाए। कैप्टन लिटन दास ने 32 गेदों पर 40 रन बनाए, जबकि तौहीद हृदोय ने 24 गेंदों पर 45 रन बनाए। वहीं यूएई के लिए सबसे ज्यादा 3 विकेट मुहम्मद जवाद उल्लाह ने लिए।

मोहम्मद वसीम ने यूएई के लिए बनाए 82 रन 205 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी यूएई को कप्तान मोहम्मद वसीम और मोहम्मद जोहब ने अच्छी शुरुआत दी। दोनों के बीच 63 गेंदों पर पहले विकेट के लिए 107 रन की साझेदारी हुई। मोहम्मद जोहब ने 34 गेंदों पर 38 रन बना कर आउट हो गए।

## आईपीएल: हर्षल पटेल ने बुमराह-मलिंगा को भी छोड़ा पीछे, 150 विकेट चटकाकर बनाया ये खास रिकॉर्ड

**नई दिल्ली, एजेंसी।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) का 61वां मैच आज सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ के बीच खेला गया. इस मैच में हैदराबाद ने लखनऊ को 6 विकेट से मात दी और लखनऊ की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों को भी चकनाचूर कर दिया. इस मैच में एसआरएच के तेज गेंदबाज हर्षल पटेल ने आईपीएल इतिहास में सबसे तेज़ 150 विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है.

उन्होंने इस उपलब्धि के साथ लसिथ मलिंगा को पीछे छोड़ दिया है. हर्षल पटेल ने यह उपलब्धि मैच के 16वें ओवर में हासिल की, जब उन्होंने एडन मार्करम को 61 (38 गेंदों) पर क्लीन बोल्ड किया. इस विकेट के साथ उन्होंने आईपीएल में 2381 गेंदों में 150 विकेट पूरे किए. उन्होंने लसिथ मलिंगा (2444 गेंदें) और युजवेंद्र चहल (2543 गेंदें) जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ते हुए रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया. हर्षल इस सीजन में अब तक 11 पारियों में 15 विकेट लेकर संयुक्त रूप से 5वें सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं. उनका औसत 24.26 है और उन्होंने दो बार चार विकेट लिए हैं.

### 150 आईपीएल विकेट सबसे कम गेंदों में

1. 2381 गेंदें – हर्षल पटेल
2. 2444 गेंदें – लसिथ मलिंगा
3. 2543 गेंदें – युजवेंद्र चहल
4. 2656 गेंदें – ड्वेन ब्रावो
5. 2832 गेंदें – जसप्रीत बुमराह

बता दें कि हर्षल पटेल दो बार पर्पल कैप जीत चुके हैं. 2021 में आरसीबी के लिए खेलते हुए 32 विकेट लिए और 2024 में पीबीकेएस के लिए उन्होंने 24 विकेट लिए थे.

## उदयपुर डिविजन चेंबर ऑफ कॉमर्स का क्रिकेट महाकुंभ 24 मई से, 52 टीमों के बीच होगा मुकाबला

### क्रिकेटर अजय जडेजा करेंगे शुभारंभ

**उदयपुर, एजेंसी।** चेंबर ऑफ़ कॉमर्स उदयपुर डिवीजन द्वारा पहली बार शहर में एक भव्य रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 24 मई से 31 मई 2024 तक फील्ड क्लब मैदान पर होगा, जिसमें उदयपुर के विभिन्न व्यापारिक एसोसिएशनों की 52 टीमें भाग लेंगी। इस ऐतिहासिक आयोजन का शुभारंभ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर अजय जाडेजा, चितौड़गढ़ सांसद सी.पी. जोशी, लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ द्वारा किया जाएगा। चेंबर अध्यक्ष पारस सिंघवी ने बताया कि उदयपुर में पहली बार चैंबर में रजिस्टर विभिन्न व्यापारिक संगठनों की सामूहिक क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु सर्वसम्मति से संजय भंडारी को संयोजक नियुक्त किया है। सिंघवी ने बताया कि प्रतियोगिता 24 मई से प्रारंभ होकर 31 मई तक आयोजित की जाएगी। इस आयोजन के लिए गठित कोर कमेटी में पारस सिंघवी, राजमल जैन, हिम्मत बडाला, संजय भंडारी, अशोक कावरा, कैलाश सोनी, देवनारायण धायभाई, राकेश जैन, हरीश चावला, अजय पोरवाल, भंवरलाल सुहालका, बृजलाल सोनी, हिमांशु गुप्ता, जगदीश मेनारिया, नितिन सेठ मनोज जैन, जयेश चंपावत को सम्मिलित किया गया है। अजय जाडेजा, सी पी जोशी, राजपरिवार सदस्य लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ करेंगे शुभारंभ। क्रिकेट प्रतियोगिता संयोजक संजय

भंडारी ने बताया कि प्रतियोगिता के शुभारंभ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर अजय जाडेजा, चितौड़गढ़ सांसद सी.पी. जोशी, लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ द्वारा किया जाएगा इस दौरान राज्य सभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, उदयपुर सांसद मन्ना लाला रावत, उदयपुर ताराचंद जैन, ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, भाजपा जिलाध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़, कांग्रेस जिलाध्यक्ष फतह सिंह राठौड़ भी उपस्थित रहेंगे। पूर्व क्रिकेटर अजय जाड़ेजा को चेंबर अध्यक्ष पारस सिंघवी द्वारा विशेष निमंत्रण भेजा गया जिसको स्वीकार कर उन्होंने इस महाकुंभ के शुभारंभ हेतु अपनी अनुमति प्रदान की है। अजय जाडेजा अपने समय के प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर रहे हैं।

आपसी संबंध स्थापित करेगा यह आयोजन।

प्रचार प्रसार मंत्री राकेश जैन ने बताया कि चेंबर से संबंधित व्यापार मंडल के सदस्य ही इसमें खेल पाएंगे, यह आयोजन शुद्ध रूप से व्यापारिक समारोह है। प्रतिदिन हजारों की संख्या में दर्शक मैच का आनंद लेंगे। यह आयोजन उदयपुर में व्यापारिक संगठनों के बीच नए संबंध की इमारत स्थापित करेगा। उद्घाटन एवं समापन पर चेंबर पूरी कार्यकारिणी एवं उदयपुर का संपूर्ण व्यापार जगत की उपस्थिति रहेगी। अभी तक 52 व्यापार मंडलों की क्रिकेट टीमों की स्वीकृति सफल आ चुकी है।

**नियमों की कठोरता से होंगी पालन**

प्रतियोगिता सहसंयोजक कैलाश सोनी एवं अशोक काबरा ने बताया कि प्रतियोगिता को सफल एवं निर्विवाद बनाने के लिए सामूहिक रूप से नियम एवं शर्तें तय की गई है नियमों के विपरीत किसी भी प्रकार से कोई भी निर्णय नहीं लिया जाएगा एव सभी संगठनों को नियमों की पालना करनी होगी।

## 11 साल तक प्लेऑफ नहीं खेलने वाली पंजाब किंग्स के लिए वरदान बना कोच

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण महौल के बीच आस्ट्रेलिया के दिग्गज पूर्व कप्तान और पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पॉन्टिंग ने एक ऐसा फैसला लिया जिसको सुनकर सबको आश्चर्य होगा। जिस समय भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसे हालात हो गए थे उस समय सभी खिलाड़ी अपने देश जाने के लिए घबराए हुए थे इसी बीच रिकी रिकी पॉन्टिंग ने भी अपनी प्लाइट में बैठ गए थे। तभी एक खबर आई कि सीज फायर हो गया है। इस खबर को सुनते ही उन्होंने आखिरी क्षणों में विमान से उतरने का फैसला किया। इस साहसिक कदम ने पॉन्टिंग न सिर्फ प्रतिबद्धता को दर्शाया, बल्कि पंजाब किंग्स के खिलाड़ियों में भी नई जान फूंक दी।

पिछले कुछ दिनों में भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के कारण कई विदेशी खिलाड़ी भारत छोड़कर अपने

देश लौट रहे थे। इस अनिश्चितता ने ढ्ढक्कके मौजूदा सीजन पर भी सवालिया निशान लगा दिए थे। कई टीमें अपने प्रमुख खिलाड़ियों के बिना अधूरी हो रही थीं और पंजाब किंग्स भी इस संकट से अछूती नहीं थी। लेकिन रिकी पॉन्टिंग ने अपने दम पर स्थिति को संभाला और अपने खिलाड़ियों को एकजुट रखने के लिए असाधारण नेतृत्व का परिचय दिया। पॉन्टिंग, जो दिल्ली में पंजाब किंग्स के साथ थे उन्होंने युद्धविराम की खबर सुनते ही अपने देश लौटने का विचार त्याग दिया। एक रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने तुरंत अपने खिलाड़ियों से संपर्क किया और उन्हें वापस भारत लौटने के लिए प्रेरित किया। उनके इस फैसले ने न केवल टीम का मनोबल बढ़ाया, बल्कि पंजाब किंग्स को एक बार फिर पूर्ण ताकत के साथ मैदान पर उतरने का मौका दिया।

### नवजोत सिंह सिद्धू की भविष्यवाणी बताया

## कौन जीतेगा आईपीएल 2025 का खिताब

**नई दिल्ली, एजेंसी।** इंडियन प्रीमियर लीग सीजन 18 के प्लेऑफ के लिए 3 टीमें कन्फर्म हो चुकी है. इनमें गुजरात टाइटंस ही है, जिसने आईपीएल खिताब जीता हुआ है. जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स ने अभी तक खिताब नहीं जीता है.

चौथे स्पॉट के लिए दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच लड़ाई है. अब दिग्गज भविष्यवाणी करने लगे हैं कि इस बार आईपीएल कौन जीतेगा? भारत के पूर्व क्रिकेटर और वर्तमान में आईपीएल 2025 में कमेंटरी कर रहे नवजोत सिंह सिद्धू ने भविष्यवाणी करते हुए बताया है कि आईपीएल 2025 का टाइटल कौन जीतेगा. उन्होंने श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स की तारीफ़ करते हुए उन्हें खिताब का प्रबल दावेदार बताया. नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा कि श्रेयस अय्यर और रिकी पोंटिंग की इस टीम ने वो कर के दिखा दिया जिसकी किसी को उनसे उम्मीद नहीं थी. उनका मानना है कि इस टीम को कम आंका जा रहा था लेकिन उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया. उन्होंने कहा, टीम में वही प्लेयर्स हैं, प्रभसिमरन सिंह, अर्शदीप सिंह, नेहाल वढेरा. प्रियांश आर्य तो अभी लीग से आ रहा है.